राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार , 18 अक्टूबर 2025

वर्ष 14,अंक 186, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

सेंध काट कर 60 हज़ार नगदी सहित, लाखों के गहने चोरी..03

कपिल शर्मा के कनाडा कैफे पर तीसरा हमला, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी..04

## चित्रकूट ट्रेजरी में 120 करोड़ का घोटाला, 7 वर्षों से ऐसे चल रहा था रकम उड़ाने का काम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में 120 करोड़ का पेंशन घोटाला सामने आया है जिससे चित्रकूट जिले के साथ साथ समूचे उत्तर प्रदेश में हड़कंप मच गया है। आपको बता दें कि चित्रकूट जनपद के ट्रेजरी के सहायक अकाउंटेंट और ट्रेजरर ने रिटायर कर्मचारियों के साथ मिलकर रिटायर्ड शिक्षकों के खाते में कई बार मोटी रकम भेजी और बाद में उनसे मिलकर वह रकम निकाल लिया। एक रिटायर्ड शिक्षक की पत्नी की पेंशन जब रुकी तो वह इसका पता लगाने बैंक पहुंची तो उन्होंने बताया कि उनका खाता सीज है क्योंकि उसमें 31 लाख रुपए का फ्रॉड हुआ है। महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की और तहरीर दी पुलिस जांच में पता चला कि घोटाले में महिला का भाई भी शामिल है जो ट्रेजरी के आरोपी अकाउंटेंट के साथ मिला हुआ है मामला सामने आने के बाद 95 संदिग्ध खातों को ऑडिट टीम ने सीज कर दिया है। इन्हीं खातों में पेंशन की रकम भेज कर घोटाला किया गया है ट्रेजरी ऑफिस के वरिष्ठ कोषाधिकारी ने आनन फानन में शुक्रवार को 99 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है।मामले की जांच आडिट टीम कर रही है। आरोपियों से पूरी रकम की रिकवरी करने की तैयारी भी चल रही है पूरा मामल चित्रकूट जनपद के मऊ तहसील के गांव खंडेहा की रहने वाली 65 वर्षी कमला देवी के पति राजबहादुर सरकारी टीचर थे 50 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था जिसके बाद उनके बेटे को मृतक आश्रित से नौकरी मिली जबकि कमला देवी को पेंशन मिलने लगी। कमला देवी ने बताया बीते 6 महीने से मेरी पेंशन नहीं आ रही थी इसके बारे में पता करने व कई बार बैंक गई लेकिन वहां बताया गया की पेंशन अभी नहीं आई है इसके बाद 13 अक्टूबर को वह फिर से बैंक गई तो पता चला कि खाता सीज कर दिया गया है बैंक वालों ने नहीं बताया कि खाता क्यों सीज हुआ है इसके बारे में ट्रेजरी ऑफिस जाकर पता करने को कहा, कमला देवी के मुताबिक तत्काल वह ट्रेजरी ऑफिस गई और वहां के कर्मचारी से पूछताछ की जिसमें एक बाबू ने बताया कि उनके खाते में 31 लख रुपए गलत तरीके से चले गए हैं जो निकल भी लिए गए हैं इसलिए खाता सीज कर दिया गया है, यह रकम उनको लौटने भी होगी नहीं तो कार्रवाई भी होगी। यह सुनते ही कमल डर गई कमला देवी ने बताया कि कौशांबी में रहने वाले मेरे भाई ओमप्रकाश ने चित्रकूट के लालता रोड पर नया घर बनवाया है।

उसने बताया था कि यह पैसे उसने भेजे हैं मैं भरोसे में आकर यह रकम उनको निकाल कर दे दी है कमला ने ओमप्रकाश को फोन करके पैसे के बारे में पूछा तो उसने फोन काट दिया तब कमला को शक हुआ और कमला ने अपने भाई के खिलाफ कर्वी थाने में शिकायत की है, जिसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा तो वह फरार हो गया पुलिस ने जांच के लिए ट्रेजरी ऑफिस में संपर्क किया तब जाकर पता चला कि कमला के खाते के अलावा 95 रिटायर्ड शिक्षकों के खाते में इसी तरह से 120 करोड़ का फ्रॉड किया है इन खातों में 31 लाख तो कभी 45 लाख भेज कर रिटायर्ड टीचर से संपर्क कर पैसों का बंदरबांट किया गया है। मामले को लेकर वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि ओमप्रकाश ने पहले भी रिटायर शिक्षकों और उनकी पत्नियों के खाते में सरकारी राशि डलवा कर निकाल ली थी कमला देवी ने मऊ थाने में तहरीर दी है।और पूरे मामले की जांच की मांग की है अफसर ने बताया कि घोटाले की जांच चल रही है वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने कहा कि आडिट टीम ने घोटाला पकड़ा था जिसकी गोपनीय तरीके से जांच चल रही है। इसमें ट्रेजरी का सहायक लेखाकार अस्सिटेंट अकाउंटेंट संदीप श्रीवास्तव अकाउंटेंट अशोक कुमार रिटायर्ड सहायक लेखाकार अवधेशकुमार रिटायर्ड के बाद ट्रेजरी में संविदा पर काम कर रहे थे यह सभी लंबे समय से ट्रेजरी में पेंशनर्स के खातों में करोड़ों का हेर फेर कर रहे थे। संदिग्ध 95 खातों को सीज कर दिया गया है जांच में पता चला है कि यह खेल लगभग 7 सालों से चल रहा था एसबीआई, बैंक आफ बडौदा, इंडियन बैंक, आर्यावर्त बैंक के खाते में पैसा भेजा जा रहा था। वित्तीय वर्ष 2023 - 2024 का ऑडिट करने आई टीम ने इस मामले का खुलासा किया है अभी तक इस पूरे मामले में पता चला है कि 22 लख रुपए रिकवर किए गए हैं।

दरअसल घोटालेव द्वारा रिटायर्ड शिक्षकों के खाते में पैसा डाला जा रहा था उनको कुछ कमीशन देकर उनके खाते से पैसा निकाल लिया जाता था कमला के भाई ने कई रिटायर शिक्षकों के खाते में रकम भिजवाई और उन्हें इनकम टैक्स बचाने का झांसा देकर पैसे वापस मांगे इसके बदले उन्हें भी कमीशन दिया गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार ने बताया है कि कोषागार से पेंशनर्स के खाते में हुई अनियमित भुगतान को लेकर केस दर्ज किया गया है सी ओ के नेतृत्व में एसआई टी जांच कर रही है 93 खातों में गलत तरीके से भुगतान किया गया है इसमें दो मौजूद कर्मचारियों की संलिप्तता पाई गई है जो ट्रेजरी ऑफिस में पेंशन का पटल देख रहे हैं थे इसके अलावा कुछ संविदा कर्मचारियों का भी पता चला है सभी से पैसे की रिकवरी कराई जाएगी जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

## दामाद ने सास-ससुर को खाट से बांधकर पेट्रोल बम से उड़ाया, पहले ससुर तो अब सास की भी मौत, आरोपी फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**कोरिया-** छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक दामाद ने अपनी सास-ससुर को खाट से बांधकर पेट्रोल छिड़का और पेट्रोल बम से जिंदा जला दिया। धमाके में ससुर की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से झुलसी सास ने तीन दिन बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी दरवाजा बंद कर फरार हो गया। यह पूरा मामला बचरा पोड़ी थाना क्षेत्र के साल्ही गांव का है। आपको बता दें कि पुलिस ने आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है।

### धमाके से उड़ी घर की छत, दहशत में गांव

मृतकों की पहचान राय राम (60) और पार्वती (59) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, 14 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे दो आरोपी मुंह पर कपड़ा बांधकर उनके घर पहुंचे। उन्होंने पहले राय राम और पार्वती को खाट से बांधा, फिर पेट्रोल छिड़ककर बम फेंक दिया। धमाका इतना तेज था कि घर की छत तक उड़ गई और पूरा मकान जलकर राख हो गया। राय राम की मौके पर मौत हो गई, जबकि पार्वती गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें पहले बैकुंठपुर जिला अस्पताल, फिर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज, और अंत में रायपुर के निजी अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

### आरोपी दामाद पहले भी कर चुका था गोलीकांड

मुख्य आरोपी सुरेश ठाकुर, उत्तर प्रदेश के कानपुर का रहने वाला है। वह पहले खड़गवां में ट्रक चलाता था, जहां उसकी पहचान राय राम की बेटी जीनी से हुई। दोनों ने 10 साल पहले परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी की और उनके दो बच्चे हुए। कुछ समय बाद सुरेश, जीनी को लेकर यूपी चला गया। वहां उसकी पहले से एक पत्नी थी, जिससे विवाद शुरू हो गया। छह महीने पहले जीनी बच्चों के साथ मायके लौट आई। इसी बात से नाराज होकर सुरेश ने चार महीने पहले भी ससुराल में गोली चलाकर हमला किया था, लेकिन तब कोई हताहत नहीं हुआ था।

### साजिश के तहत की गई हत्या

पुलिस को शक है कि सुरेश ने इस बार पूरी साजिश रचकर हत्या की। बताया जा रहा है कि जीनी अपने ससुराल से कुछ सामान भी साथ लाई थी, जिससे सुरेश नाराज था। दोनों के बीच जमीन और संपत्ति को लेकर भी विवाद चल रहा था। कोरिया एसपी रवि कुर्रे ने बताया कि आरोपी सुरेश ठाकुर मुख्य संदेही है। पुलिस उसकी तलाश में यूपी के कानपुर स्थित घर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। उसका मोबाइल फोन भी बंद है। पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद जताई है।

### इंसानियत को झकझोरने वाली वारदात

साल्ही गांव में इस घटना के बाद लोगों में दहशत और आक्रोश दोनों है। ग्रामीणों का कहना है कि सुरेश पहले से ही हिंसक स्वभाव का था, लेकिन पुलिस ने पिछली गोलीकांड की घटना में कार्रवाई नहीं की, जिससे उसे और हौसला मिला।

## अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिक दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई चार-चार वर्ष की सजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**झांसी-** जिले की एक अदालत ने शहर में अनधिकृत रूप से रहने वाले दो बांग्लादेशी नागरिकों को दोषी करार देते हुए चार- चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई और 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) तेज सिंह गौर ने बताया कि मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) सुनील कुमार यादव की अदालत ने बृहस्पतिवार को सुलेमान उर्फ जिलमल निवासी कुंवर खली मजरथ, (बांग्लादेश) एवं जाकिर उर्फ असलम निवासी खुंताकटा, भगोर (बांग्लादेश) को अवैध रूप से रहने का दोषी पाते हुए चार-चार वर्ष कारावास सहित 50-50 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

गौर ने मामले का ब्यौरा देते हुए कहा कि 15 जनवरी 2022 को एक सूचना के आधार पर उप्र पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की टीम ने सीपरी बाजार पुलिस के साथ मिलकर तीन संदिग्ध बांग्लादेशियों को रक्सा बाईपास के निकट गिरफ्तार कर लिया था। उन्होंने बताया कि एसटीएफ को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ बांग्लादेशी अनाधिकृत रूप से यहां रहकर आपराधिक गतिविधियां करना चाहते थे। गिरफ्तार किए गए इन लोगों के पास से फर्जी पासपोर्ट एवं फर्जी आधार कार्ड आदि बरामद किए गए थे। इस मुकदमे में चली कार्रवाई के दौरान एक अभियुक्त अलादीन उर्फ मिंटू के गैर हाजिर हो जाने के कारण उसकी पत्रावली अलग कर दी गई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (प्रथम) सुनील कुमार यादव की अदालत ने शेष दोनों आरोपियों को अवैध रूप से रहने का दोषी पाते हुए चार-चार वर्ष कारावास सहित 50-50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

## संक्षिप्त ख़बरें

### UP में खाकी शर्मशार! सिपाही ने नशे में बीच सड़क पर किया हंगामा, साथियों को चिल्ला-चिल्लाकर दीं गालियां...

**हापुड़** - उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से खाकी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र में एक सिपाही द्वारा सड़क पर बैठकर हंगामा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहा व्यक्ति हापुड़ नगर कोतवाली में तैनात सिपाही रोहित है। सिपाही की इस हरकत ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। यह घटना दिल्ली रोड पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सिपाही नशे की हालत में सड़क पर पहुंचा और अचानक सड़क के बीच बैठकर चिल्ला-चिल्लाकर अपने साथियों को गालियां देने लगा। कई लोगों ने उसे सड़क से हटाने का प्रयास भी किया, लेकिन वह बार-बार सड़क पर बैठ जाता और हंगामा करने लगता। सिपाही की इस हरकत से मौके पर मौजूद राहगीरों और वाहन चालकों में डर फैल गया। इस दौरान ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ और वाहनों की आवाजाही बाधित रही। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सिपाही को सड़क के किनारे ले जाकर शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने उसे कोतवाली ले जाकर मामले की जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोपी सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो के माध्यम से पूरे जिले में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है।

## छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अडानी कोयला खदान क्षेत्र में सामुदायिक वन अधिकारों को रद्द करने का फैसला बरक़रार रखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली-** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हसदेव अरण्य क्षेत्र के एक गांव के निवासियों को दिए गए सामुदायिक वन अधिकारों को रद्द करने पर सवाल उठाने वाली एक याचिका खारिज कर दी है, जहां अडानी समूह की एक सहायक कंपनी दो कोयला खदानों का संचालन करती है. स्क्रॉल की रिपोर्ट के मुताबिक, उच्च न्यायालय का 8 अक्टूबर को पारित यह आदेश सरगुजा जिले के घटबार्रा गांव से संबंधित है, जहां अडानी माइनिंग परसा पूर्व और केते बासन (पीईकेबी) कोयला खदानों का संचालन करती है. यह ब्लॉक राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के स्वामित्व में है और पूरी तरह से राजस्थान सरकार के स्वामित्व में है. फैसले के दौरान जस्टिस राकेश मोहन पांडे ने कहा कि घटबार्रा के ग्रामीणों को तीन सामुदायिक वन अधिकार अधिकार देने वाला 2013 का आदेश त्रुटिपूर्ण था, क्योंकि 2012 में ही भूमि का खनन के लिए उपयोग किया जा चुका था. 2013 का यह आदेश वन अधिकार अधिनियम के तहत एक जिला स्तरीय समिति द्वारा पारित किया गया था।

उल्लेखनीय है कि वन अधिकार अधिनियम एक ऐसा कानून है जो आदिवासी और वनवासी समुदायों को उन जंगलों और भूमि पर कानूनी अधिकार देता है जिन पर वे पीढ़ियों से रहते और उपयोग करते आ रहे हैं. न्यायाधीश ने 8 अक्टूबर को कहा कि सामुदायिक वन अधिकारों को रद्द करके इस 'गलती' को 'सुधार' लिया गया है और इस कारण अधिकार प्रदान करने वाला आदेश शुरू से ही कानूनी रूप से अमान्य है।

### हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति का संघर्ष

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय में यह याचिका शुरू में घटबार्रा गांव की वन अधिकार समिति द्वारा दायर की गई थी, जो वन अधिकार अधिनियम के तहत गठित एक संस्था है. बाद में नागरिक समाज संगठन हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति भी इस याचिका में शामिल हो गई. साथ ही कई अन्य व्यक्ति भी शामिल हो गए, जिन्होंने खुद को घटबार्रा गांव का निवासी बताया. हालांकि, वन अधिकार समिति ने बाद में याचिका वापस ले ली, जिसके बाद हसदेव वन बचाओ संघर्ष समिति ने इस मामले में मुकदमा लड़ा. द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि जिला स्तरीय समितियों को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अधिकार नहीं है, और दावा किया कि सामुदायिक वन अधिकार रद्द करने से पहले ग्रामीणों को सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया।

इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि हालांकि, याचिका 2016 में दायर की गई थी, लेकिन याचिकाकर्ताओं ने 2011, 2012 और 2015 के कोयला खनन आवंटन या वन डायवर्जन की अनुमति देने वाले आदेशों को चुनौती नहीं दी थी. न्यायाधीश ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता यह बताने में विफल रहे कि उन्होंने 2022 में अलग-अलग याचिकाओं में क्षेत्र के भूमि अधिग्रहण को चुनौती दी थी, जिन्हें खारिज कर दिया गया था. न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने पीठ से महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए थे. अदालत ने कहा कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड ने पिछले 10 वर्षों में खनन का पहला चरण पूरा कर लिया है और उसे 2022 में खनन का दूसरा चरण शुरू करने की मंजूरी भी दे दी गई है. न्यायाधीश ने कहा, 'ज्तब से तीन साल बीत चुके हैं और घटबार्रा गांव के निवासियों के व्यक्तिगत या सामुदायिक वन अधिकारों से संबंधित दावे, यदि कोई हों, तो उन्हें नकद में मुआवज़ा दिया जा सकता है।'

अखबार के अनुसार, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को 2011 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी. खनन के दोनों चरणों के लिए वन क्षेत्र परिवर्तन की अनुमति 2012 में दी गई थी. हालांकि, 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने 200 से ज़्यादा कोयला ब्लॉक आवंटन रद्द कर दिए थे - हसदेव अरण्य स्थित परसा कोयला ब्लॉक उनमें से एक था. 2015 में केंद्र ने कोयला खदान विशेष प्रावधान अधिनियम पारित किया, जिसके तहत राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को कोयला ब्लॉक का नए सिरे से आवंटन किया गया।

## ट्रंप यहां कुछ नहीं कर सकते, मामला बहुत बिगड़ चुका है ... नवाज के करीबी की अफगानिस्तान पर दिखी बेबसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान कहां अपनी गोटियां अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सेट करने में जुटा हुआ था, कहां अपने पड़ोसी देश से मुंह की खाने के बाद वो तबाह महसूस कर रहा है. हम बात कर रहे हैं अफगानिस्तान और पाकिस्तान की, जो सीमा पर भिड़ गए थे. दोनों देशों के बीच 48 घंटे का संघर्षविराम हुआ, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना की सांस में सांस आई. ऊपर से तालिबान की ओर से ऐसी-ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए जा रहे हैं, जो पाक फौजियों को और भी ज्यादा शर्मसार कर रहे हैं।

खैर, फिलहाल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, तालिबान से बातचीत करने को तैयार खड़े हैं. जियो न्यूज के मुताबिक कैबिनेट बैठक के दौरान उन्होंने ये बात कही कि अब ये अफगानिस्तान पर निर्भर करता है कि वो क्या करेगा. अगर तालिबान चाहता है तो वो स्थायी युद्धविराम पर बात कर सकते हैं. दिलचस्प ये है कि इसके साथ ही शहबाज शरीफ ने ये भी कहा कि तालिबान अटैक में भारत का हाथ है. ये आरोप से ज्यादा पाकिस्तान की बेबसी है क्योंकि खुद को तोप समझने वाले पाकिस्तान की फौज तालिबान से भी हार गई।

### ट्रंप यहां कुछ नहीं कर सकते

इसी बीच पाकिस्तानी मीडिया में इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे को भी उसी तरह सुलझा देंगे, जैसे उन्होंने दुनिया की तथाकथित 8 लड़ाइयां सुलझाकर समझौते कराए हैं. वहां के समा चैनल पर राजनीतिक विश्लेषक नजम सेठी से जब इसे लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इतने बिगड़े हुए कभी न थे, जैसे इस वक्त हैं. जो हालात हैं, इसमें डोनाल्ड ट्रंप भी कुछ नहीं कर सकते. वे यहां पर जिसे भेजेंगे, वो एंटी पाकिस्तान माने जाते हैं और अफगानिस्तान से वो क्या बात करेंगे? यहां उनकी कोई भी तरकीब काम नहीं करेगी।

### अफगानिस्तान पर क्यों बेबस है पाक?

दरअसल पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप की बेबसी की बात इसलिए पाकिस्तानी विश्लेषक कर रहे हैं क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप सीधा तालिबान सरकार से बात नहीं कर सकते. दोनों देशों के बीच तनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप और तालिबान सरकार के बीच विवाद चल रहा था. वे अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर अपना कब्जा चाहते हैं, जिसे तालिबान किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है. ऐसे में अमेरिका इस मुद्दे पर पाकिस्तान को अपने पाले में कर रहा था लेकिन यहां तो पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही भिड़े हुए हैं. ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्थता की स्थिति में ही नहीं हैं।

## एसएयू यौन उत्पीड़न- छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच वॉर्डन को पद से हटाया, केयरटेकर निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**नई दिल्ली-** दक्षिणी दिल्ली के मैदानगढ़ी इलाके में स्थित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी की एक स्नातक छात्रा से गैंगरेप की कोशिश के आरोप और छात्रों के लगातार प्रदर्शन के बीच यूनिवर्सिटी प्रशासन ने गुरुवार (16 अक्टूबर) को महिला छात्रावास की वॉर्डन को उनके पद से हटा दिया. इसके अलावा एक छात्रावास केयरटेकर को भी निलंबित कर दिया गया है, जिनकी नियुक्ति आउटसोर्स के जरिए की गई थी. मालूम हो कि इस घटना के सामने आने के बाद छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे. हॉस्टल वॉर्डन और केयरटेकर दोनों पर छात्रों ने परिसर में कथित सामूहिक बलात्कार के प्रयास के बाद लापरवाही बरतने और पीड़िता को दोषी ठहराने का आरोप लगाया था. प्रदर्शनकारी छात्र इन दोनों को पद से हटाने की मांग कर रहे थे, जिसे आखिरकार प्रशासन द्वारा स्वीकार कर लिया गया. उल्लेखनीय है कि यह कार्रवाई विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लॉक में छात्रों के लगातार धरने के चौथे दिन की गई।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा गुरुवार को जारी दो अलग-अलग कार्यालय आदेशों के अनुसार, रिंकू देवी गुप्ता को 'तत्काल प्रभाव से वॉर्डनशिप की ज़िम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है.' हालांकि, वह विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर बनी रहेंगी. एक अन्य आदेश में महिला छात्रावास में आउटसोर्स 'सहायक द्वितीय' अनुपमा अरोड़ा को 'जांच रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक निलंबित' कर दिया गया है. उक्त निष्कासन और निलंबन सीधे तौर पर छात्रों की प्रमुख

मांग से जुड़ा है, जो सोमवार से दोनों अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे. छात्रों ने आरोप लगाया था कि 12 अक्टूबर की घटना के बाद रिंकू देवी गुप्ता और अनुपमा अरोड़ा ने समय पर मदद नहीं की और पीड़िता के प्रति असंवेदनशील टिप्पणियां कीं, जिसमें उन पर अपने कपड़े फाड़ने का आरोप लगाना भी शामिल था. इन दोनों अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर पीड़िता को घटना के बाद 'नहाने' के लिए कहा गया, जो उनके अनुसार सबूत मिटाने का एक प्रयास था. फिलहाल विश्वविद्यालय ने सहायक प्रोफेसर काजोरी भटनागर को वॉर्डन का कार्यभार संभालने के लिए नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि इस घटना के बाद से प्रशासन पर छात्र लगातार अपने प्रदर्शन के जरिए कार्रवाई का दबाव बना रहे थे, जिसके चलते प्रशासन ने उनकी दो प्रमुख मांगों में से एक को मान लिया. हॉस्टल अधिकारियों पर कार्रवाई के अलावा प्रदर्शनकारी छात्रों ने कथित तौर पर पीड़ित छात्रा पर हमला करने वाले चार लोगों की पहचान के लिए फास्ट ट्रैक पुलिस जांच की भी मांग की है. इस मामले में छात्र डीन और प्रॉक्टर सहित वरिष्ठ अधिकारियों के इस्तीफ़े की मांग भी कर रहे हैं. मालूम हो कि साउथ एशियन यूनिवर्सिटी की एक स्नातक छात्रा ने आरोप लगाया है कि रविवार (12 अक्टूबर) को चार लोगों ने विश्वविद्यालय परिसर में उनके साथ सामूहिक बलात्कार करने की कोशिश की. हालांकि, पुलिस ने इस मामले में एफआईआर मंगलवार को दर्ज की।

छात्रा के अनुसार, चार लोगों ने कथित तौर पर रविवार को उनका यौन उत्पीड़न किया, जिसमें विश्वविद्यालय कैंपस के गेट पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड भी शामिल थे. इस दौरान एफआईआर दर्ज होने में देरी के कारण परिसर में व्यापक आंदोलन देखने को मिला. छात्रों ने हॉस्टल वॉर्डन और कुछ अन्य विश्वविद्यालय कर्मचारियों को निलंबित करने की मांग की, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया. मैदानगढ़ी थाने में दर्ज एफआईआर में छात्रा ने कथित घटना का विस्तृत विवरण दिया है।

## 310 ग्राम सूखे गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

**चित्रकूट-** आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री की रोकथाम के लिए चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मऊ के उपनिरीक्षक मुन्नीलाल तथा उनकी टीम आरक्षी शुभम त्रिपाठी व प्रकाश मिश्रा द्वारा आरोपी अनीष सिंह उर्फ राहुल सिंह पटेल निवासी चकभडेसर मजरा पिपरौद थाना मऊ को 310 ग्राम सूखा गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में आरोपी के विरुद्ध थाना मऊ में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

# इसराइल-हमास संघर्ष- शांति, कूटनीति और डोनाल्ड ट्रंप



लगभग 2 वर्षों के बाद गाजा पट्टी में इसराइल हमास युद्ध अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्तता से थम गया है। इस समझौते में इसराइल के हमास द्वारा बनाए गए, इसराइल नागरिक शेष 20 बंधक इसराइल को सौंपे दिए गए बदले में 1900 से ज्यादा बंधकों और फिलिस्तीन कैदियों को रिहा किया गयाइस युद्ध में अरबों रुपयों का आर्थिक नुकसान हुआ और गाजा पट्टी फिलिस्तीन से एक लाख से ज्यादा नागरिक विस्थापित हुए, और मारे गए इज़राइल फिलिस्तीन नागरिकों की संख्या बहुत बड़ी है जिसकी सच्चाई का आकलन अभी तक नहीं किया जा पाया है। यह युद्ध विराम मानवता के लिए एक बड़ी राहत सांस मानी जा रही है। इसके बदले डोनाल्ड ट्रंप को इसराइल का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप के ताज में शांति समझौते का एक और नया हीरा जुड़ गया है। डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल पुरस्कार प्राप्ति की आकांक्षा 2026 के लिए फिर शुरू हो गई वे अभी भी नोबेल पुरस्कार की दौड़ में बड़े आकांक्षी हैं। इसराइल-हमास-गाज़ा पट्टी का संघर्ष दशकों से मध्य-पूर्व की राजनीति का सबसे गंभीर अध्याय रहा है। 1948 में इसराइल के गठन के साथ ही अरब-फ़िलिस्तीनी विवाद आरंभ हुआ और 1967 के युद्ध के बाद गाज़ा इसराइली नियंत्रण में आया। 2007 में हमास द्वारा गाज़ा पर नियंत्रण और इसराइल की नाकेबंदी ने तनाव को और गहरा किया। सितंबर 2023 में हमास ने अचानक इसराइल पर हमला कर लगभग 251 नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले ने न केवल मध्य-पूर्व बल्कि विश्व-राजनीति को भी हिला दिया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्होंने पहले "अब्राहम समझौते" के माध्यम से अरब-इसराइल संबंधों में शांति का द्वार खोला था, ने इस संकट को अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ते हुए सक्रिय मध्यस्थता की। ट्रंप ने कतर, मिस्र, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर एक बहुपक्षीय शांति प्रारूप तैयार किया। उन्होंने इसे "ह्यूमैनिटी फर्स्ट इनिशिएटिव" नाम दिया और कहा कि "यदि यह समझौता सफल होता है तो मैं नहीं, बल्कि शांति खुद नोबेल की हकदार होगी।" जनवरी 2025 में उनके नेतृत्व में हुए समझौते में 33 इज़राइली बंधकों की रिहाई हुई, जिनमें 25 जीवित और 8 मृत घोषित हुए। इसके बदले इसराइल ने लगभग 1,700 फ़िलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा। यह "गाज़ा शांति चरण-1 समझौता" कहलाया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में शेष 20 जीवित बंधक भी छोड़े गए, जिनकी वापसी को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ऐतिहासिक राहत माना। इस रिहाई और युद्धविराम की प्रक्रिया में अमेरिका और कतर के साथ भारत की भूमिका विशेष रूप से रेखांकित रही। भारत ने गाज़ा में मानवीय सहायता, चिकित्सा उपकरण, खाद्य सामग्री और राहत दल भेजे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से संयम बरतने और आतंकवाद से मुक्त स्थायी शांति की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि "भारत आतंकवाद के खिलाफ है और निर्दोष जीवन की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा।" भारत की यह संतुलित नीति – जहाँ एक ओर इसराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया गया, वहीं फ़िलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा पर भी जोर दिया गया,उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ छवि प्रदान करती है। दूसरी ओर, नाटो देशों की प्रतिक्रिया आरंभ में इज़राइल-समर्थक रही। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और कनाडा ने हमास के हमले को "आतंकी कार्रवाई" बताया और इज़राइल को सैन्य, तकनीकी और खुफिया सहायता दी। परंतु जैसे-जैसे गाज़ा में नागरिक हताहत बढ़े, यूरोपीय संघ और नाटो देशों में मतभेद उभरने लगे। फ्रांस और स्पेन जैसे देशों ने ÷मानवीय संघर्षविराम÷ का आग्रह किया जबकि अमेरिका ने मध्य-पूर्व में स्थायी शांति के लिए कूटनीतिक दबाव बनाए रखा। इस दौरान ट्रंप की व्यक्तिगत भूमिका सबसे निर्णायक बनी रही। उन्होंने कई बार सार्वजनिक रूप से कहा कि उनका प्रयास केवल राजनीतिक समाधान नहीं बल्कि "मानवता की बहाली" है, और उन्होंने इसे अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की आकांक्षा से जोड़ा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उन्हें शांति दूत बनाने का प्रयास किया गया है। इसराइल-हमास-गाज़ा पट्टी का संघर्ष आधुनिक विश्व की सबसे जटिल मानवीय और राजनीतिक त्रासदियों में से एक है। गाज़ा पट्टी आकार में भले ही छोटी हो, परंतु इसका इतिहास, भू-राजनीति और संघर्ष की गहराई अत्यंत विशाल है। 1948 में इज़राइल राष्ट्र के गठन के साथ ही पहला अरब-इज़राइल युद्ध छिड़ गया था, जिसके बाद गाज़ा मिस्र के नियंत्रण में आया और 1967 के छह दिवसीय युद्ध में इज़राइल ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया। 1990 के दशक में ओस्लो समझौते के बाद सीमित स्वशासन वाली फिलिस्तीनी प्राधिकरण की स्थापना हुई, किंतु इसके कुछ ही वर्षों बाद हमास नामक संगठन ने धीरे-धीरे राजनीतिक प्रभाव बढ़ाया और 2006 में हुए चुनावों में अप्रत्याशित रूप से विजयी हुआ। 2007 में फतह के साथ संघर्ष के बाद हमास ने गाज़ा पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। इसके बाद इज़राइल ने सुरक्षा कारणों से गाज़ा की सीमाओं को सील कर दिया और थल, जल, वायु मार्गों पर कड़ी नाकेबंदी लागू कर दी। इसी के साथ गाज़ा लगातार मानवीय संकट और अस्थिरता का केंद्र बन गया। सितंबर 2023 में विश्व समुदाय तब स्तब्ध रह गया जब हमास ने इज़राइल पर अचानक बड़े पैमाने पर हमला किया। इस हमले में रॉकेट बमबारी, सीमा पार घुसपैठ और नागरिकों पर हमले शामिल थे। हमास के लड़ाकों ने लगभग सात सौ इज़राइली नागरिकों और सैनिकों को बंधक बना लिया और उन्हें गाज़ा में अपनी पकड़ में रखा। यह घटना आधुनिक इज़राइल के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा विफलताओं में से एक मानी गई। इसके प्रतिकार में इज़राइल ने "ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड" नामक भीषण सैन्य अभियान शुरू किया जिसमें गाज़ा पर लगातार हवाई और ज़मीनी हमले किए गए। इस अभियान में हजारों इमारतें ध्वस्त हुई, सैकड़ों नागरिक मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हो गए। मिस्र, कतर और अमेरिका की मध्यस्थता से कई दौर की बातचीत के बाद कुछ बंधकों को मानवीय आधार पर छोड़ा गया, किंतु अधिकांश अब भी लापता हैं। इस युद्ध ने न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर इस संघर्ष का अंत कहाँ है। गाज़ा में पहले से ही बिजली, पानी, दवाइयाँ और आवास जैसी सुविधाएँ सीमित थीं। अब स्थिति और भयावह हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे 21वीं सदी के सबसे बड़े मानवीय संकटों में एक बताया। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, बच्चों और बुजुर्गों की त्रासदी और शरणार्थी शिविरों में बढ़ती भीड़ इस संघर्ष की मानवीय कीमत को दर्शाती है। राजनीतिक दृष्टि से हमास इसे "प्रतिरोध का युद्ध" कहता है जबकि इज़राइल इसे "आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई" मानता है। दोनों पक्षों के अपने तर्क हैं, परंतु बीच में पिस रही है आम जनता, जिसकी पीड़ा किसी भी पक्ष के लिए प्राथमिकता नहीं रह गई है। भविष्य को लेकर तीन संभावनाएँ सामने आती हैं। पहली, निकट भविष्य में स्थिति में स्थायित्व नहीं आने वाला है। तब तक वहाँ की हर सुबह धुएँ और आँसुओं में डूबी रहेगी। यही आज की सबसे बड़ी सच्चाई है – कि युद्ध से कोई विजेता नहीं निकलता, केवल पीड़ा और विनाश शेष रह जाता है।

**संजीव ठाकुर**

# संपादकीय

## अनुशासन के मायने भूलता बचपन! यह कैसा अति आत्मविश्वास?



भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है। इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के तरीके ने सबको हैरान किया। बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी7 हालाकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है7 कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालाकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेण्टली बैठे बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणनीय यह है कि इसका बच्चे की मनःस्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए। लेकिन गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यव्हार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वार्तालाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यव्हार से ढ़ेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं। आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यव्हार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है7 जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है7 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मीं है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और सायबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिर जवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सब कुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान। ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मस्तिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मस्तिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं। वहीं यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतज़ार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दर्शाते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मस्तिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मस्तिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता। केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गर्माया, उसमें एक अहम बातचीत पर भी ध्यान जरूरी है जब बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते। वास्तव में आपाधापी और प्रतिस्पर्धा में रात-दिन लगे माता-पिता भी तो उसी दौड़ में शामिल है जिसमें बच्चा है। भला क्या और क्या उम्मीद की जाए? समय से पहले गैर जरूरी मामलों में बच्चों की संलिप्तता और इसके लिए मददगार डिजिटल संसाधन पकड़ाना कितना उचित है? यह सवाल शुरुआत से बहस में रहा। लेकिन सवाल वही कि क्या हम वक्त से पहले अपने बच्चों को बिना सोचे, समझे बड़ा कर रहे हैं? बचपना, मिट्टी में खेलने की आजादी, गांव, गलियां, गिल्ली डण्डा, गेड़ी चलना, लंगड़ी कूद, बोरा कूद, लुका-छिपी और तमाम पुराने पारंपिक खेल गायब होते जा रहे हैं। सबका स्थान मोबाइल और गेमिंग ने लेकर बच्चों को समय से पहले बड़ा और बूढ़ा जरूर बना दिया है।

कितना अच्छा होता कि समय रहते ऐसी उच्छश्रंखलता को रोक पाते? क्या फिर लौट पाएगा बच्चा, बचपन और अनुशासन और बच्चों का झुण्ड, आंगन में किलकारी, दौड़ना, कूदना, लड़ना और एक हो जाना! शायद लंबा इतंजार करना होगा, कितना? यह तो किसी को नहीं पता।

**आयुषी दवे**

# करवाचौथ की रात को लुटा माल टूटा गृहस्थी बसाने का सपना!



करवाचौथ की रात हमेशा प्यार, विश्वास और परिवार के साथ बिताए जाने वाले खास पलों के लिए याद रखी जाती है लेकिन यही करवाचौथ की रात, जब देशभर में सुहागिनें अपने पतियों की लंबी आयु के लिए व्रत और पूजा कर रही थीं, वहीं यूपी के एक जिले में भरोसे और रिश्तों को तार-तार करने वाली लुटेरी दुल्हनों के गिरोह की बड़ी वारदात सामने आई। यहां के सासनी गेट थाना क्षेत्र में 12 परिवार उस वक्त सन्न रह गए, जब उनकी नई-नवेली दुल्हनें पूजा-पाठ के बाद सबको नशीला खाना खिलाकर घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गई।आपको बता दें कि अलीगढ़ जनपद के थाना सासनी गेट क्षेत्र के मथुरा रोड पर भी ऐसी ही वारदात हुई . पीड़ित परिवारों ने पुलिस को बताया कि 9 अक्टूबर को दो युवतियों की शादी हुई थी. इनमें से एक की कोर्ट मैरिज और दूसरी की घर में फेरे डालकर शादी संपन्न हुई थी. सब कुछ सामान्य चल रहा था, यहां तक कि दोनों ने करवा चौथ के दिन अपने-अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए व्रत भी रखा। लेकिन उनके मन में प्यार नहीं, लूट की साजिश पल रही थी. शादी के महज दो दिन बाद ही, उनका असली इरादा सामने आ गया। शादी की रस्में पूरी होने के बाद, लुटेरी दुल्हनों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया. फरार होने के लिए उन्होंने दूसरी मंजिल से नीचे उतरने का एक चौंकाने वाला तरीका अपनाया. दोनों ने साड़ी की रस्सी बनाई और उसी के सहारे नीचे उतर गई. भागने से पहले, उन्होंने दो परिवारों को बड़ा झटका दिया. दोनों अपने साथ चार सोने के कंगन, अंगूठी, मंगलसूत्र और करीब एक लाख बीस हजार रुपये नकद लेकर चंपत हो गई. सुबह होते ही परिवारों में मातम और अविश्वास का सन्नाटा छा गया. घटना के बाद दोनों पीड़ित परिवारों ने थाना सासनी गेट में शिकायत दर्ज कराई है. पूर्व मेयर शकुंतला भारती भी पीड़ित परिवार के साथ थाने पहुंचीं और उन्होंने इसे लुटेरी दुल्हनों के गिरोह का काम बताया. उन्होंने मनोज गुप्ता नामक एक व्यक्ति को इस गिरोह का सरगना होने का आरोप लगाया है। परिवारों ने सोचा था कि यह त्योहार खुशियों और मंगल का प्रतीक है। लेकिन करवाचौथ की यह रात उनके लिए यादों में जहर बन गई। न केवल परिवार सदमे में हैं, बल्कि यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। यह कोई सामान्य चोरी नहीं बल्कि एक सुनियोजित लुटेरी दुल्हन रैकेट की योजना थी। इन परिवारों की नई-नई दुल्हनों ने करवाचौथ का व्रत रखकर, खुद खाना बनाकर घरवालों को खिलाया और फिर नकदी और जेवर लेकर फरार हो गई।

फिलहाल, पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस का मानना है कि बिहार से आई इन लुटेरी दुल्हनों की संख्या दर्जन से ज्यादा हो सकती है और जल्द ही इस गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा. मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी, जिसने 12 घरों में एक साथ मातम फैला दिया। जानकारी के अनुसार, ये सभी 'दुल्हनें' बिहार और झारखंड से लाई गई थीं, जिन्हें दलालों ने शादी के लिए लड़कियों की कमी से जूझ रहे परिवारों में 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये लेकर ब्याहा था। पीड़ित परिवारों के मुताबिक, शादी के बाद इन दुल्हनों ने अपने व्यवहार से कुछ ही दिनों में सबका दिल जीत लिया था। किसी ने सास के साथ पूजा-पाठ शुरू कर दिया तो कोई पति के साथ खेतों पर जाने लगी। करवाचौथ पर भी उन्होंने पूरे विधि-विधान से व्रत रखा, हाथों में मेहंदी रचाई और घर सजाया। रात में जब चांद देखकर व्रत खोलने का समय आया, तो उन्होंने खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाते ही सभी परिजन गहरे नशे में सो गए और सुबह जब उनकी आंख खुली तो घर के ताले टूटे थे, अलमारियां खाली थीं और उनकी 'सुहागनें' गायब थीं। वारदात के बाद जब परिवारों ने उन दलालों से संपर्क करने की कोशिश की, जिन्होंने ये शादियां कराई थीं, तो उनके सभी मोबाइल नंबर बंद मिले। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह एक संगठित गिरोह है, जिसने इन 12 परिवारों से करीब 30 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है, जिसमें सोने-चांदी के जेवर, नकदी और कीमती सामान शामिल हैं।जानकारी के मुताबिक एक पीड़ित ने रोते हुए बताया, "शादी को बस 10 दिन हुए थे। उसने करवाचौथ पर इतनी श्रद्धा से पूजा की कि हम सब भावुक हो गए। हमें लगा हमारी किस्मत खुल गई, पर सुबह सब कुछ लुट चुका था।" मामला सामने आते ही सासनी गेट थाने में अब तक चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। एएसपी मयंक पाठक ने बताया, "यह एक सुनियोजित गिरोह है जो पश्चिमी यूपी, बिहार और झारखंड में सक्रिय है। आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और दलालों के फोटो और दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान की जा रही है। जल्द ही इस गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।" पुलिस का मानना है कि यह गिरोह उन इलाकों को निशाना बनाता है, जहां लिंगानुपात कम होने के कारण पुरुषों को शादी के लिए लड़कियां नहीं मिलतीं। अलीगढ़ में हुई यह वारदात अब तक की सबसे बड़ी 'लुटेरी दुल्हन' ठगी मानी जा रही है। हकीकत यह है कि शादी के लिए जाति बिरादरी और जान पहचान व क्षेत्र की लड़कियां नहीं मिलने के कारण लोग वैवाहिक जीवन साथी दिलाने वाले दलालों के संपर्क में आ जाते है पहले दलाल कैसे ऐसे युवाओं को बढिया लड़की जीवनसाथी बनाने का झांसा देकर मनमानी मोटी रकम मध्यस्थता के लिए बटोर लेते हैं और पेशेवर महिलाओं के साथ विवाह करा देते हैं ये पेशेवर महिलाएं त्योहार या अन्य किसी भी मौके की तलाश में रहती है और जेवर नकदी हाथ लगते ही परिवार जन को नशा या नींद की गोली दे कर जेवर नकदी समेत फरार हो जाती है। आम तौर पर ये महिलाएँ पेशेवर होती है और पतिव्रता होने का नाटक करती हैं लुटने पिटने के बाद पीड़ितों को पता चलता है और तब हाथ मलने के अलावा कुछ नहीं रहता है।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

# सुप्रीम कोर्ट के अहम आदेश से लोगो की भावनाओ का सम्मान



सुप्रीम कोर्ट ने त्योहारों पर लोगो की भावनाओ का सम्मान करते हुए दो अहम फैसले को केंद्र में रखकर लोगो को दीपावली की भेंट अर्पित कर दी है।करोड़ो लोगो का दिल जीत लिया है। पर्यावरण से दिल्ली -एनसीआर के नागरिकों को काफी कुछ सहन करना पड़ता है।दीपावली पर की जाने वाली आतिशबाजी से शहर का वातावरण प्रदूषित हो जाता है।जिससे लोगो को स्वांस लेने में दिक्कते आती है।हर वर्ष दिल्ली और एनसीआर की हवा प्रदूषित होती है।सरकार दिल्ली में पटाखो पर प्रतिबंध लगा देती है।लेकिन इस बार दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को गुहार लगाकर सीमित समय के लिए पटाखो की अनुमति की मांग की थी।इसको मद्देनजर रखते हुए माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखो की सशर्त मंजूरी दी है।दिल्ली एनसीआर में सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखो को जलाने की अनुमति दी गई है। इस फैसले से युवाओ के चेहरे खिल उठे है।दरअसल, पटाखे जलाने की सुप्रीम की मंजूरी से करोड़ो लोगो के मन मे खुशी की लहर है।दीपावली भारत का सांस्कृतिक त्योहार है।बारह महीने में एक बार आने वाले इस सूचिता के पर्व पर हर व्यक्ति के मन मे उमंग रहती है कि वे भी आतिशबाजी कर खुशी के इस पर्व को खूब मनाए।लेकिन पर्यावरण के लिए खतरा बनता धुंआ शहर की हवा में जहर घोलता है। जिससे दीपावली के बाद शुरुआती दिनों में लोगो को स्वांस लेने मेंबहुत तकलीफ सहन करनीं पड़ती है।स्वांस लेने मेंअमूमन लोगो को मुश्किलें पैदा हो जाती है। इसको ध्यान में रखकर माननीय सुप्रिम कोर्ट ने दीपावली पर्व पर तीन दिन के लिए ग्रीन पटाखे की अनुमति दी है।जिससे लोगो के मन मे खुशी है।पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट का स्वागतयोग्य फैसला है।दीपावली पर्व का हर व्यक्ति को बेसब्री से इंतजार रहता है।।दीपावली पर युवाओ के मन मे उदासीनता देखी जा रही थी कि इस बार पटाखो का लुफ्त नही उठा सकेंगे।परन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले से युवाधन खुश है। कोर्ट ने हिन्दुओ की भावनाओ का सम्मान किया है। जबकि हर वर्ष दीपावली पर दिल्लीवासियों को पटाखे जलाने के लिए वंचित रखा जाता था।आम आदमी की सरकार प्रतिवर्ष दिल्ली -एनसीआर में आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा देती थी। सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व दीपावली पर हिन्दुओ की भावनाओ को ठेस पहुंचाई जाती थी।क्योकि हर वर्ष एक ही चर्चा रहती थी कि इस बार भी पटाखे नही जला सकेंगे? लोगो की भावनाओ को ठेस पहुंचाने का कार्य पूर्ववर्ती सरकारे करती आ रही थी।सुप्रीम के इस फैसले का विपक्षी दलों ने विरोध किया है।गौरतलब है कि सुप्रीम ने ग्रीन पटाखे की इजाजत देकर लोगो की भावनाओ को आबाद किया है।सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने आदेश जारी करते हुए कहा कि अदालत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है।त्योहार पर न्यायसंगत फैसला कर उन लोगो को उत्साहित करने का कार्य किया है,जो कई सालों से पटाखो का लुफ्त उठाने में वंचित थे।पर्यावरणीय क्षति को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम ने ग्रीन पटाखो को जलाने की अनुमति दी है।सीजेआई गवई ने कहा कि त्योहारों की खुशी हम छीनना नही चाहते है।लेकिन पर्यावरण के साथ समझौता भी नही किया जा सकता है।पारंपरिक पटाखों की तस्करी और अवैध बिक्री से अधिक नुकसान होता है।इसलिए सुप्रीम ने ग्रीन पटाखो को सीमित समय के लिए नियंत्रित दायरे में अनुमति देकर लोगो के उत्साह में वृद्धि की है।सुप्रीम कोर्ट का खास फैसला स्वागतयोग्य है।इस के साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे फैसले को केंद्र सरकार के विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है।फांसी की जगह लीथल इंजेक्शन के विकल्प पर केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम ने कहा कि सुई के विकल्प को अपनाना होगा,क्योकि समय के साथ बदलना जरूरी है।दरअसल, सरकार समय के साथ बदलना नही चाहती है।फांसी की जगह सुई के विकल्प के विरोध में केंद्र को फटकार लगाते हुए याचिका पर जनसुनवाई के दौरान केंद्र को आड़े हाथों लिया।सुप्रीम कोर्ट के ये फैसले स्वागतयोग्य ही नही है यह लोगो की भावनाओ को आबाद करने में अहम हिस्सेदारी मानी जा रही है।उधर,कोर्ट ने कहा कि अमेरिका ने 49 राज्यो ने मौत की सुई को अपनाया है।क्योंकि फांसी देने के बाद व्यक्ति की लाश 40 मिनट तक लटकी रहती है।नवयुग मे कदमताल मिलाते हुए आगे बढ़ना चाहिए।देश मे डेथ पेनल्टी इन्फॉर्मेशन सेंटर के अनुसार देश मे 38 लोगो को फांसी सुनाई जाने की सूची है।लिहाजा, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा की याचिका पर कहा कि देश मे फांसी पाए कैदियों को लिथम इंजेक्शन का विकल्प देना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद केंद्र का कहना है लिथम इंजेक्शन का विकल्प देना संभव नही है।कोर्ट ने कहा कि फांसी से मृत्युदंड देना क्रूरतापूर्ण कृत्य है और इस सजा में समय ज्यादा लगता है।कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार समय के साथ विचार विकसित करने के लिए तैयार नही है।कोर्ट के दो अहम फैसले पर देश की नजर है।देश मे समय के साथ परिवर्तन करना समय की मांग बताते हुएसुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार को फिर से विचार करने की आवश्यकता है। इस पर मंथन करे केंद्र सरकार।

**कांतिलाल मांडोत**

# दीपोत्सव पर भारतीय उत्पादों को महत्व दें



दीपोत्सव केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के पुनर्जागरण का अवसर है। यह वह क्षण है जब हम अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और पराधीनता पर आत्मनिर्भरता की विजय का उत्सव मनाते हैं। दीपावली का वास्तविक संदेश केवल घरों को सजाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने देश को संवारने और अपनी संस्कृति को निखारने से भी जुड़ा है।आज जब बाज़ार विदेशी उत्पादों की चमक-दमक से भरे पड़े हैं, तब दीपावली हमें एक सजग उपभोक्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। विदेशों में बनी देवी-देवताओं की मूर्तियाँ, कृत्रिम रोशनी के लैंप, प्लास्टिक की सजावट और आयातित उपहार भले ही आकर्षक दिखते हों, पर वे हमारी स्वदेशी कला, कारीगरी और आत्मनिर्भरता की भावना को क्षीण करते हैं। इसके विपरीत, भारतीय मिट्टी से बने दीपक, देशी हाथों से बनी मोमबत्तियाँ, मिट्टी के खिलौने, बांस, लकड़ी या कपड़े के सजावटी सामान न केवल पर्यावरण-सम्मत हैं, बल्कि करोड़ों भारतीय कारीगरों, कुम्हारों और हस्तशिल्पियों की आजीविका से भी सीधे जुड़े हैं।

वास्तव में जब तक भारतीय उत्पाद आसानी से उपलब्ध हैं, विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाना राष्ट्रहित में एक सचेत कदम है।स्वदेशी अपनाना केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक राष्ट्रभक्ति का प्रतीक भी है। जब हम 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदते हैं, तो वस्तु के साथ एक भारतीय परिवार की आशा, परिश्रम और सम्मान को भी सहेजते हैं। हर मिट्टी का दीपक, हर हस्तनिर्मित दीया और हर देसी मिठाई आत्मनिर्भर भारत की उस ज्योति का प्रतीक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' के रूप में राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया है।दीपावली पर यदि हम स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें, तो यह न केवल स्थानीय व्यापार और छोटे उद्योगों को सशक्त करेगा, बल्कि त्यौहार की सांस्कृतिक गरिमा भी संरक्षित रहेगी। यह उत्सव तभी पूर्ण होगा, जब हमारी रोशनी में हमारे अपने देशवासियों की मुस्कान झलके।आज आवश्यकता इस बात की है कि दीपावली की चकाचौंध में भारतीयता की गरिमा झलके, उपहारों में स्वदेशी भाव प्रवाहित हो और मिठास में देसी स्वाद घुले। हर ग्राहक को यह निर्णय लेना होगा कि खरीदारी से पहले स्वयं से पूछे - "क्या यह भारतीय हाथों से बना है?" यदि नहीं, तो उसे न खरीदना ही सच्चे अर्थों में देशसेवा होगी। तभी यह दीपावली आत्मनिर्भर भारत का दीपोत्सव बन सकेगी।आइए, इस दीपोत्सव पर केवल दीप ही नहीं जलाएँ, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, स्वदेशी उद्योग और भारतीय कारीगरों के जीवन में भी नई रोशनी जगाएँ। यही सच्चे अर्थों में दीपोत्सव की भावना है "अपना त्योहार, अपनों से व्यापार।"

**डा मनमोहन प्रकाश**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### हर कदम श्रीराम को समर्पित- भक्त विशाल ठाकुर की 310 किमी दंडवत यात्रा पहुँची मलिहाबाद

**मलिहाबाद।** प्रभु श्रीराम के प्रति अनन्य श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए हरदोई जिले के पासिगवां बेहटा गोकुल निवासी भक्त विशाल ठाकुर इन दिनों अपनी 310 किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा पर निकले हैं। बुधवार को अपनी यात्रा के 36वें दिन वे मलिहाबाद क्षेत्र के भतोइया गांव पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और जलपान कराकर सम्मानित किया। भक्त विशाल ठाकुर ने बताया कि यह यात्रा प्रभु श्रीराम के चरणों में पूर्ण समर्पण की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा हर दंडवत के साथ मैं अपने भीतर की सीमाओं को तोड़कर प्रभु की ओर बढ़ रहा हूं, यह यात्रा शरीर और आत्मा दोनों की परीक्षा है, लेकिन श्रीराम नाम ही मेरी शक्ति है। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी वे कई बार धार्मिक यात्राओं का संकल्प पूरा कर चुके हैं। इस अवसर पर उनके साथ राजेश कुमार सक्सेना और रोहित सिंह भी यात्रा में सहभागी रहे। भतोइया गांव में रुकने के दौरान अनेक ग्रामीणों ने इस भक्ति यात्रा को देखकर भावविभोर हो गए। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऐसी गहरी आस्था और समर्पण दुर्लभ है। गांव का वातावरण जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा, जहां श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला।

### तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बिजली के पोल में मारी टक्कर, आपूर्ति रहीं बाधित

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के मेन रोड पर बुधवार की देर रात एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बिजली के पोल से टकरा गई। जोरदार टक्कर से पोल टूटकर लटक गया और आसपास अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि वाहन सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए। पोल टूट जाने के कारण नगर में करीब 17 घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रही। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब 12ः15 बजे करुणा बाजार चौराहे की ओर से आ रही नई स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लोहे के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और स्टीयरिंग जाम हो गई। उधर विद्युत फुल टूट जाने के करण करीब 15 हजार आबादी की विद्युत आपूर्ति 17 घंटे प्रभावित रही।बिजली विभाग के जेई दीपक कुमार ने बताया कि पोल टूटने से तार झूल गए थे। जिन्हें ठीक करने का काम शुरू कर दिया गया है। शाम करीब 5 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। बताया कि विभाग को करीब 35 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई है। वाहन को कब्जे में लेकर कोतवाली लाया गया है।

### बाइक सवार बदमाशों ने सेल्समैन से की लूट इलाके में फैली सनसनी, ओवरब्रिज पर डंडे से किया हमला

**सीतापुर** जनपद सीतापुर के कोतवाली देहात क्षेत्र में देर रात बाइक सवार बदमाशों ने शराब दुकान के सेल्समैन से लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया बदमाशों ने ओवरब्रिज पर गाड़ी रोककर न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि डिग्गी में रखे कैश से भरा बैग भी छीन ले गए। लूट की इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है जानकारी के अनुसार टेडवा बिजवार निवासी सोनू जायसवाल पुत्र रामचंद्र जायसवाल अपनी कंपोजिट शराब की दुकान बंद कर देर रात घर लौट रहे थे। जैसे ही वे बिजवार ओवरब्रिज पर पहुंचे, तभी दो बाइक पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें घेर लिया बदमाशों ने सोनू की बाइक रुकवाकर उनके हाथ पर डंडे से वार किया, जिससे वह गिर पड़े इसके बाद उन्होंने बाइक की डिग्गी खोलकर कैश से भरा बैग निकाल लिया और फरार हो गए पीड़ित सोनू ने बताया कि बैग में करीब डेढ़ लाख रुपए की नकदी थी, जो दिनभर की शराब बिक्री की रकम थी। लूटपाट के बाद सोनू ने किसी तरह थाने पहुंचकर घटना की सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। कोतवाली देहात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित से पूछताछ की पुलिस टीम बदमाशों की पहचान के लिए संभावित मार्गों पर लगे कैमरों की फुटेज चेक कर रही है। लूट की इस वारदात से इलाके के व्यापारियों और शराब ठेके संचालकों में दहशत का माहौल है!!

# जिला पंचायत में टेंडर खुलने से पहले काम शुरू 78 लाख के सड़क मरम्मत कार्य में गड़बड़ी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सीतापुर** जनपद सीतापुर में जिला पंचायत के विकास कार्यों में गड़बड़ी का बड़ा मामला सामने आया है यहां टेंडर खुलने से पहले ही 78 लाख कीमत से होने वाले सड़क मरम्मत के काम को ठेकेदार ने पहले ही शुरू करा दिया। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने से पहले निर्माण कार्य का मामला सामने आते ही जिला पंचायत कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई अधिकारियों ने मामले की लीपापोती करते हुए जांच कराने की बात कही है जानकारी के अनुसार, जिला पंचायत द्वारा नौ सड़कों की मरम्मत के लिए करोड़ों की लागत के टेंडर जारी किए गए थे। इसके लिए निविदाएं 6 अक्टूबर से 14 अक्टूबर दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित की गई थीं, जबकि टेंडर खोलने की तिथि उसी दिन शाम 4 बजे निर्धारित थी मगर टेंडर खुलने से पहले ही 13 अक्टूबर की रात को एक ठेकेदार ने जेसीबी लगाकर सड़क की पटरी मरम्मत का कार्य शुरू करा दिया मामले की जानकारी जब अधिकारियों को हुई तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में अधिकारियों ने जांच के आदेश देने की बात कही, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया इससे यह स्पष्ट होता है कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों को ताक पर रखकर मनमानी की जा रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्य शुरू होने से पहले ही ठेकेदार की सक्रियता यह साबित करती है कि टेंडर प्रक्रिया में पहले से मैनेजमेंट का खेल चल रहा है अब देखना यह होगा कि जांच में जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है। जिला पंचायत के अवर अभियंता ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद उपरान्त अगर गड़बड़ी मिलती है तो उस कार्य को श्रमदान घोषित करवा दिया जाएगा!!

## रंजिश में पालतू कुत्ते की पीट पीटकर हत्या का आरोप

**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के मेरई गांव में रंजिश के चलते एक महिला के पालतू कुत्ते को पीट-पीटकर मार डालने का मामला सामने आया है। गांव निवासी रीतू शर्मा ने गांव के ही पांच लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पीड़िता के अनुसार आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। मंगलवार को विवाद के दौरान आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए उससे मारपीट की। जिसमें उसकी बेटी अदिति शर्मा घायल हो गई। रीतू शर्मा के मुताबिक वह बेटी का इलाज कराने जिला अस्पताल गई हुई थी। तभी आरोपियों ने उसके पालतू कुत्ते को लाठी डंडों से पीट दिया। बुधवार की सुबह जब वह घायल कुत्ते को लेकर कोतवाली पहुंची, तो गेट के सामने ही कुत्ते की मौत हो गई। महिला ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# सेंध काट कर 60 हज़ार नगदी सहित, लाखों के गहने चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मलिहाबाद।** बीती रात अज्ञात चोरों ने क्षेत्र में फतेहनगर गांव में एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के गहने और नगदी चुरा ले गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

फतेहनगर निवासी राजेंद्र यादव ने पुलिस को सूचना दी और बताया कि रात करीब 10 बजे खाने के बाद उनका परिवार घर के पीछे कमरे में ताला-डालकर सो गया।रात करीब 2 बजे के आसपास खटखटाने की आवाज सुनाई पड़ी पर हमेशा कि तरह मवेशी की खटखटाने की आवाज आती थी उसी पर हम लोगों ने ध्यान नहीं दिया।चोर पीछे की दीवार को काटकर घर के अंदर दाखिल हुए और घर के उस कमरे तक पहुंचे जहां कीमती सामान रखा था। इस कमरे में बाहर से ताला लगा था जिसे चोरों ने अंदर से कुंडी लगा दी जिससे कोई अंदर नही आ सके और आराम से चोरों ने कमरे में रखे बक्से और अलमारी को खंगाला जिसमें रखे सोने चांदी के जेवरात और 60 हजार रुपए नगद चुरा ले गए।सुबह जब उनके पड़ोसी कुंदन अपने खेत में फूल तोड़ने आए तब सेंध देख घटना की जानकारी परिवार को दी।पीड़ित राजेंद्र यादव ने थाने पर तहरीर दी पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की गहनता से जांच में जुट गई है। पुलिस ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया है कि चोरों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। और उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## सेवा भारती के छात्रावास में मिल रही गरीब परिवार के बच्चों को निःशुल्क सुविधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**सीतापुर-** सेवा भारती के छात्रावास में गरीब परिवार के मेधावी छात्रों का चयन कर मुफ्त में सुविधा दी जा रही है। लखीमपुर खीरी स्थित सेवा भारती के सूर्य नारायण राव छात्रावास में गरीब परिवार के मेधावी छात्रों को निःशुल्क छात्रावास की सुविधा दी जा रही है। सेवा भारती के प्रांत महा मंत्री रजनीश जी ने बताया सेवा भारती के प्रकल्प के तहत बच्चों के लिए छात्रावास में रहने, भोजन करने के साथ-साथ स्कूलों में प्रवेश कराने तक की व्यवस्था की गई है। पूरा खर्च सेवा भारती उठाएगी।

सेवा भारती की ओर से इस प्रकार के सामाजिक कार्य किए जाते है। जिससे समाज में बदलाव लाने व जरूरतमंद लोगों की मदद करने का कार्य किया जाता है। सेवा भारती द्वारा संचालित सूर्यनारायण राव निशुल्क छात्रावास में बुधवार को श्रीमान भास्कर जी प्रचारक केंद्र अयोध्या (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने छात्रों के साथ उनकी दिनचर्या एवं स्वास्थ्य पर चर्चा वार्ता की श्रीमान जय सिंह जी संघटन मंत्री (सेवा भारती अवध प्रान्त) छात्रों से छात्रावास में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली एवं चल रही अर्धवार्षिक परीक्षा के बारे में वार्ता की मोहित जायसवाल जी पंजाब केसरी (लखनऊ जोन) ने पढ़ाई, दिनचर्या एवं भविष्य में आगे क्या करना है जैसे विषयों पर छात्रों से पूंछा साथ ही बच्चों को चिप्स चॉकलेट बिस्किट आदि सामग्री दी! छात्रावास में भास्कर जी प्रचारक, रजनीश जी महामंत्री (सेवा भारती अवध प्रांत), जय सिंह जी संघटन मंत्री (सेवा भारती अवध प्रान्त), मोहित जयसवाल जी पंजाब केसरी (लखनऊ जोन), योगेश जिला महामंत्री, मणीन्द्र जी उपस्थिति रहे।

## सीतापुर की हर नारी ने ठना है एनीमिया को हराना है

**मिश्रिख (सीतापुर)** मिशन शक्ति के अंतर्गत विकास खंड मिश्रिख के सभी ग्राम पंचायतो में स्वास्थ्य विभाग, पोषण और बाल विकास तथा ग्राम विकास और पंचायती राज के सहभागिता और नेतृत्व में आज आयरन और फोलिक एसिड की गोलियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बर्मी और जसरथपुर ग्राम पंचायतों में खंड विकास अधिकारी ने स्वयं रहकर वितरण कराया।विकास खंड के सभी अधिकारियों की उपरोक्त कार्य में ड्यूटी लगाकर इसकी समीक्षा और अनुश्रवण किया गया। खंड विकास अधिकारी सुनील कौशल ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश और मुख्य विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सभी विकास खंड में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं बच्चों और बच्चियों को खून की कमी की समस्या से निजात दिलाना और जागरूक करना है। कार्यक्रम में आज विकास खंड स्तर पर लगभग 4000 से अधिक महिलाएं और उपस्थित रही।

## मायके जाने की बात कहकर घर से निकली बहू वापस न आने पर ससुर ने दर्ज कराई गुमशुदगी की रिपोर्ट ....

### ● गुजरात में मजदूरी का करता पति चार बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**रायबरेली।** बछरावां बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूरे कुमेदान का पुरवा पोस्ट राघोपुर से एक बेहद चौंकाने वाली खबर प्रकाश में आई है जहां एक लगभग 32 वर्षीय विवाहिता अपने नन्हे नन्हे बच्चो को छोड़कर फरार हो गई ससुराली जनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार लगभग 7ः00 बजे परिजनों से यह बात कर निकली की मायके जा रही हूं कुछ जरूरी काम है शाम तक वापस आ जाऊंगी देर रात तक वापस न लौटने पर सभी को किसी अनहोनी की चिंता होने लगी खोजबीन के क्रम में उसके मायके लोनार थाना शिवगढ़ जाने पर मायके के लोगों ने बताया कि यहां तो नहीं आई है तब सभी की मुश्किलें और बढ़ गई ताबड़तोड़ सभी संभावित जगहों पर तलाश किया गया पर कोई जानकारी नहीं मिली किसी अनहोनी की शंका के कारण रात लगभग 9ः00 बजे निकट पुलिस चौकी थुलेंडी पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई पुलिस ने आश्वासन दिया कि जल्द ही गुमशुदा की तलाश कर ली जाएगी लेकिन चार दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस की लचर कार्य शैली के चलते हैं अब तक गुमशुदा का कोई अता पता नहीं है चार दिन बीत जाने के बाद परिजन और भी चिंतित हो रहे हैं कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी घटना तो नहीं घट गई।

**क्या कहते हैं बच्चे** ... एक ओर जहां घर की रोजी-रोटी के लिए गरीब राम बहादुर गुजरात में किसी फैक्ट्री में मजदूरी करता है जिस वजह से घर का गुजारा होता है उधर पति की अनुपस्थिति में बच्चों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मां चोरी छिपे देर तक किसी से बातें किया करती थी जिसकी जानकारी थोड़ी बहुत जब पापा को हो जाती थी जिस वजह से कभी-कभी थोड़ा बहुत झगड़ा हो जाता था साल के अधिकांश दिन मजदूरी के वास्ते पापा बाहर ही रहते है इस बीच कहीं ऐसा तो नहीं कि वह किसी के साथ प्रेम प्रसंग में पड़ गई हो जिस वजह से छोटे-छोटे बच्चों को छोड़कर कहीं किसी के फरार तो नहीं हो गई।

क्या कहते हैं पति राम बहादुरस छोटे-छोटे बच्चों को छोड़कर फरार हुई पत्नी की जानकारी जब राम बहादुर को हुई तो बृहस्पतिवार सुबह राम बहादुर भी घर आ गए एक ओर पत्नी के फरार होने की चिंता वहीं दूसरी और बच्चों का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर और परेशान हो गए संवाददाता से बातचीत के दौरान राम बहादुर ने बताया की छोटी-छोटी लड़ाई झगड़े तो हर घर में पति पत्नी के बीच में होते रहते हैं जो की एक आम बात है रोजी-रोटी के वास्ते साल के अधिकांश दिन बाहर ही रहता हूं इस दौरान पत्नी के अवैध संबंधों की भी जानकारी मिली लेकिन बच्चों के भविष्य को देखते हुए मैंने पत्नी को कई बार समझाने की कोशिश की इसी वजह से बीच-बीच में वाद विवाद तो होता ही रहता था शायद पत्नी ने इसी का लाभ उठाया बहू के इस तरह से अचानक गायब हो जाने से जहां एक ओर ससुर रामशरण दुखी है वही पूरा परिवार किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत है।

## एल्पिस ग्लोबल स्कूल में चतुर्दिवसीय हाउस शो कार्यक्रम का भव्य समापन

### ● विद्यार्थियों ने कवि सम्मेलन, नाट्य प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मन मोह लिया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बिसवां सीतापुर** बिसवां शहर के प्रतिष्ठित एल्पिस ग्लोबल स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनकी निहित प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दिनांक 13 से 16 अक्टूबर 2025 तक आयोजित चतुर्दिवसीय कार्यक्रम का समापन आज अत्यंत हर्षोल्लास और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। चार दिनों तक चले इस ज्ञानवर्धक और मनोरंजक आयोजन में विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट, संगीत और जोश से गूंजता रहा। अंतिम दिवस पर एंडेवर हाउस के विद्यार्थियों ने लक्ष्य ध्येय वाक्य के साथ कवि सम्मेलन, नाट्य मंचन, समूह गायन तथा विविध रचनात्मक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने अपनी अभिव्यक्ति, अभिनय और साहित्यिक प्रतिभा के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि समाज को संवेदनशीलता, नैतिकता और एकता का संदेश भी दिया। विशेष रूप से देशभक्ति एवं सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया और सामाजिक सुधार की दिशा में सोचने को प्रेरित किया। भव्य समापन समारोह का शुभारंभ विद्यालय के यशस्वी निदेशकों श्री उमंग राजवंशी, श्री मुदित सिंघल एवं श्री अनुज सिंघल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। निदेशकों ने विद्यालय परिवार की एकजुटता और विद्यार्थियों के अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि "एल्पिस ग्लोबल स्कूल का उद्देश्य केवल अकादमिक उत्कृष्टता नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी में आत्मविश्वास, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का निर्माण करना है। निदेशकों ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट योगदान और अनुशासित कार्य के लिए हार्दिक बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपा चंद्रा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी अपनी मेहनत, सृजनात्मकता और अनुशासन से संस्थान का नाम ऊँचा कर रहे हैं। उन्होंने सभी अभिभावकों को भी उनके निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट और विद्यार्थियों के उत्साह से गूंज उठा। यह चार दिवसीय आयोजन विद्यालय की सांस्कृतिक समृद्धि, शिक्षण गुणवत्ता और विद्यार्थियों की सर्वांगीण प्रतिभा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

## सीओ की मौजूदगी में नायब तहसीलदार ने मंजूर की मांग

### ● मिष्ठान खिलाकर तोड़वाया अनशन, धरना हुआ समाप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**इमलिया सुल्तानपुर-** सीतापुर ऐलिया ब्लाक मुख्यालय पर पसनैका के ग्रामीणों का 9वें दिन धरना समाप्त हो गया। आठ दिन तक अनवरत जारी अनिश्चित कालीन धरना की सुनवाई नहीं होने पर जब ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कार्यालय के लिये पैदल मार्च करने की घोषणा कर दी। तो प्रशासन के हांथ पांव फूलने लगे। मामले को माइनेज करने के लिये प्रशासन ने पुलिस का सहारा लिया। तो सीओ महोली नागेन्द्र चतुर्वेदी ने निराकरण कराने की जिम्मेदारी लेते हुये धरनारत ग्रामीणों को लखनऊ कूच करने से पहले मना लिया। गुरूवार की दोपहर सीओ महोली, नायब तहसीलदार सदर महेन्द्र तिवारी, सहायक डीपीआरओ मानवेन्द्र यादव व एडीओ पंचायत मनोज कुमार सिंह धरना स्थल पहुंचे। ग्रामीणों से वार्ता करने के दौरान मनमाने ढंग से दिव्यांग जन अधिकारी की जांच टीम का ग्रामीणों ने बहिष्कार कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि विकास विभाग के अधिकारी व अधिशासी अभियन्ता की संयुक्त टीम से जांच कराई जाय। जिसपर नायब तहसीलदार (बतौर मजिस्ट्रेट) ने जब नामित किये जाने वाले अधिकारी के बारे में ग्रामीणों से सहमति मांगी।

तो ग्रामीणों ने जिला विकास अधिकारी के नेतृत्व में अवर अभियन्ता की टीम से जांच कराने की मांग कर दी। उच्चाधिकारियों से वार्ता करने के बाद मजिस्ट्रेट ने मांग स्वीकार करते हुये तीन दिन में पत्र उपलब्ध कराने का अश्वासन दिया। इसी प्रकार मांग पत्र लेकर उसका अवलोकन करते हुये मांग जायज बताकर बिन्दु वार निस्तारण करके एक हफ्ते के अन्दर प्रति उपलब्ध कराने की बात कही। अपनी मांगों के निस्तारण का अश्वासन पाकर उपस्थित ग्रामीणों की स्वीकृति पाकर धरने की अगुवाई कर रहे वरिष्ठ पत्रकार सरोज सिंह ने धरना स्थगित करने का एलान कर दिया। साथ ही इस संघर्स की सफलता के लिये अपने ग्राम वासियों व मीडिया के साथियों का आभार प्रकट करते हुये धन्यवाद दिया। वहीं पांचवे दिन भूंख हड़ताल तोड़ने वाले राजकुमार सिंह, परवन, प्रमोद व मनोज को आई वीकनेस के चलते प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के बाद घर भेज दिया।

## मौर्य समाज सेवा संस्थान औरंगाबाद ने की बेसहारा बच्चों की मदद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मिश्रिख(सीतापुर)** लखीमपुर खीरी के गोला तहसील के अंतर्गत गांव बेचेपुरवा में छह दिन पहले एक गरीब परिवार में मां की मृत्यु होने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।हम आपको बता दे कि लखीमपुर खीरी के गोला विधानसभा के गांव बेचेपुरवा में करीब 4 साल पूर्व बेचेपुरवा निवासी रामगणेश की बिजली का करंट लगने से मौत हो गयी थी जिसके बाद घर की जिम्मेदारी राम गणेश की पत्नी सुनीला देवी पर आ गई थी ,वहीं परिवार की स्तिथि ठीक ना होने की वजह से सुनीला देवी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करती ,सुनीला देवी धान काटने के लिए अपनी बहन के यहां गई थी वहीं पर उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई और उनकी करीब तीन दिन पूर्व उनकी मौत हो गई सुनीला देवी की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा इसके बादउनके तीन बच्चों को पालने की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं है जिसकी खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई वही वायरल खबर का संज्ञान लेते हुए मौर्या समाज सेवा संस्थान औरंगाबाद मिश्रिख ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की योजना बनाई और दिन बृहस्पतिवार कों अपने टीम के सदस्यों के साथ उन्होंने बच्चों से मुलाकात की व बच्चों को नए कपड़े जूते राशन की व्यवस्था करवाई साथ ही रोजगार हेतु सिलाई मशीन व 10000 नगद भुगतान देकर बच्चों की आर्थिक मदद की व आगे भी मदद का भरोसा दिलाया इस अवसर पर राम मिलन मौर्य कोषाध्यक्ष ,बनवारी लाल मौर्य अध्यक्ष,श्यामा कुमार मौर्य, महेश मौर्य ,डॉ रवि मौर्य मिश्रिख सेवा हॉस्पिटल, डॉ वीके मौर्य , राजबहादुर मौर्य अनुज मौर्य प्रमोद मौर्य आदि लोग शामिल रहे।

## पति, ससुर, सास व जेठ पर उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

**लालगंज (रायबरेली)।** क्षेत्र के नसीरपुर मजरे अंबारा पश्चिम निवासिनी महिला ने पति, ससुर, सास और जेठ पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। सीओ निर्देश पर पुलिस ने केस दर्जकर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासिनी पीड़िता सीमा ने बताया कि उसका विवाह 10 मार्च 2016 को विनोद कुमार निवासी नसीरपुर से हुआ था। विवाह के बाद से ही पति पक्ष के लोग अधिक दहेज की मांग कर मारपीट व मानसिक उत्पीड़न करने लगे। हाल ही में जब वह अपनी बच्चियों से मिलने ससुराल गई तो गेट से बाहर कर दिया गया। पीड़िता ने स्कूल में पढ़ रही बच्चियों से मिलने के लिए प्रधानाचार्य से भी गुहार लगाई, पर ससुराल पक्ष ने मना कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति विनोद कुमार, ससुर राम भरोसे, सास शांति देवी और जेठ विनोद कुमार के खिलाफ उत्पीड़न, मारपीट व धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद भदोही पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**भदोही** दिनांक 16.10. 2025 को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही श्री अभिमन्यु मांगलिक के कुशल निर्देशन,अपर पुलिस अधीक्षक श्री शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की एंटी रोमियो/ महिला मिशन शक्ति टीमों द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

**अभियान के दौरान निम्न थाना क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए—**

**थाना सुरियावां-** प्राथमिक विद्यालय ग्राम अमरावती व दानुपुर बड़ौदा यूपी बैंक में महिलाओ/छात्राओं को सभी हेल्पलाइन नंबर 1090 /112/ 181 /102/ 108 तथा साइबर संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में व मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना जानकारी दी गयी।

**थाना कोइरौना** - राजकीय हाई स्कूल नगरदह में बालिकाओं को एंटी रोमियो टीम द्वारा उनके अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, साइबर अपराध तथा शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारें में जागरुक किया गया। थाना ऊंज-ग्राम मीनापुर में महिलाओं/बालिकाओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन व हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया। थाना ज्ञानपुर/महिला थाना - महाराजा चेतसिंह चिकित्सालय व राजा पार्क में महिलाओं/बालिकाओं को भ्रमण के दौरान महिला सशक्तिकरण के बारे में जागरुक किया गया।

थाना दुर्गागंज- ग्राम मेडी व पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय ग्राम गोपलहां महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षा व आत्मनिर्भरता के उपाय बताए गए।

थाना चौरी- ग्राम शरबत खानी में महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षा व आत्मनिर्भरता के उपाय बताए गए। थाना गोपीगंज/औराई- क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर महिलाओं/बालिकाओं को जागरुक किया गया।

अभियान के दौरान महिला मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीमों ने बालिकाओं एवं महिलाओं को नारी सशक्तिकरण से संबंधित निम्न प्रमुख बिंदुओं पर जानकारी दी– मिशन शक्ति नारी सम्मान नारी सुरक्षानारी स्वावलंबन साथ ही निम्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई – 112 - पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 - माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 - वीमेन पावर लाइन, 102 - स्वास्थ्य सेवा, 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन टीमों ने मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो स्क्वाड एवं पुलिस अधीक्षक व थाना सीयूजी नंबर की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मरक्षा व जागरूकता के प्रति प्रेरित किया। जनपद भदोही पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु जन-जागरूकता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है।

## संक्षिप्त खबरें

### बलिया- डॉक्टर ने दो यूनिट खून के लिए दस हजार रुपये ले लिए

**बलिया।** शहर के एक निजी अस्पताल के चिकित्सक पर मरीज के बेटे ने खून के बदले रुपये लेने का आरोप लगाया है। सीएमओ से शिकायत की। आरोप लगाया कि मेरे पिता निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं। पकड़ी थाना के अराजी चकमोटी चकिया पुर गांव निवासी मनोज तिवारी ने सीएमओ को दी शिकायत में आरोप लगाया कि पिता चंद्रमा तिवारी की तबीयत खराब होने पर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया है। मंगलवार को चिकित्सक ने पिता को खून चढ़ाने के लिए दो यूनिट ब्लड की मांग की। पिता के लिए वह स्वयं रक्तदान करना चाहते थे। लेकिन अस्पताल में डॉक्टर ने उन्हें यह कहकर रोक दिया कि आपकी उम्र अधिक है, वजन कम है। जबकि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। रक्तदान के योग्य भी है। उसके बाद डॉक्टर ने ब्लड उपलब्ध कराने के नाम पर अपने खाते में मुझसे दस हजार रुपये मंगवाने के बाद खून दिया। उन्होंने डॉक्टर पर खून बेचने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस मामले में संजीव वर्मन ने बताया कि पीड़ित ने अस्पताल के खिलाफ शिकायत की है। दो यूनिट खून के बदले उससे दस हजार रुपये लिए गए हैं। इस मामले में टीम गठित कर जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

### खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की छापामार कार्यवाही में लिए गए खाद्य सामग्रियों के नमूने

नमूने लेते अधिकारी

**ललितपुर।** दीपावली पर्व को ध्यान में रखकर आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ और जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रथम टीम द्वारा काफी हाउस स्टेशन रोड नामक प्रतिष्ठान से छेना का नमूना, श्री बालाजी नाश्ता मिष्ठान भंडार से मिल्क केक का नमूना संग्रहित कर 21 किलोग्राम मिल्क केक नष्ट कराया गया। दूसरी टीम द्वारा मेसर्स महेंद्र किराना स्टोर गांधीनगर से घी का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा गया। मण्डल मुख्यालय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती उपमा यादव द्वारा तालबेहट हाईवे पर गाड़ी संख्या यूपी 93 ईटी 0451 को रोककर गाय के दूध का नमूना एवं खुशहाल किशन ऑयल तोड़ी से सरसों तेल का नमूना संग्रहित किया। प्रथम टीम में सहायक आयुक्त खाद्य -ढूढ़ विनोद कुमार शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी नागेंद्र कुमार तथा द्वितीय टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कलामुद्दीन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सच्चिदानंद राय उपस्थित रहे।

### सर्वेश्वर धाम मंदिर के पास बनी पुलिया पर शराबियों और जुआरियों का अड्डा, श्रद्धालु परेशान

**ललितपुर।** गोविन्द सागर बाँध की तलहटी में स्थित प्रसिद्ध सर्वेश्वर धाम मंदिर के पास बनी पुलिया पर इन दिनों असामाजिक तत्वों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ समय से यहाँ शराबी, जुआरी और चुरकट प्रवृत्ति के लोग रोज़ाना बैठते हैं। ये लोग खुलेआम गाली-गलौज करते हैं, गुटखा खाकर गंदगी फैलाते हैं और मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को अपशब्द कहकर परेशान करते हैं। मंदिर प्रबंध समिति का कहना है कि कई बार प्रशासन को इसकी सूचना दी गई, लेकिन अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि जब कोई व्यक्ति इन लोगों को रोकने का प्रयास करता है तो वे धमकी देने और झगड़ा करने लगते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि इन असामाजिक तत्वों की वजह से मंदिर परिसर की पवित्रता भंग हो रही है और लोग भय के कारण वहाँ जाने से भी कतराने लगे हैं। मंदिर प्रबंधन ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ललितपुर से मांग की है कि पुलिया पर बैठे ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और मंदिर क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था की जाए ताकि मंदिर का वातावरण शांतिपूर्ण और स्वच्छ बना रहे।

## श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ में स्थायी शाखा स्थापित करने के उद्देश्य से गुवाहाटी में सेवानिवृत्त एडीसी निलमनी दास का क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमि-** श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले दुल्लभछड़ा -निविया-चेरागी-रंगपुर के सैकड़ों गांवों की जनता का लेन-देन का एकमात्र भरोसा स्थायी शाखा है, जिसके कारण सुबह से ही दूर-दूर के शाखा के ग्राहकों को प्राकृतिक कठिनाइयों का सामना करते हुए खड़ा होना पड़ता है। इससे रोजमर्रा की नियमित हाजिरी से वंचित होना पड़ता है। इस मुद्दे को लेकर जनता की समस्या से जुड़े होने और अपने जन्मभूमि की याद के चलते, वे पिछले दो वर्षों से जनता के प्रतिनिधि के रूप में दौड़-धूप कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, 2016 में स्थानीय लोगों की ओर से स्थायी शाखा स्थापित करने की मांग के साथ एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया था। लेकिन अज्ञात कारणों से इसे लंबित रखा गया और लोगों की उम्मीद भी टूट गई। हालांकि जनता को संवेदनशील सेवानिवृत्त एडीसी निलमनी दास पिछले दो वर्षों से रामकृष्णनगर-शिलचर-गुवाहाटी-मुंबई के विभागीय अधिकारियों के साथ जनता की समस्याओं को उठाते आए हैं। इसके अलावा, गत 14 अक्टूबर को वृद्धावस्था से संबंधित समस्याओं के बावजूद दुल्लभछड़ा क्षेत्र के जनता के प्रतिनिधि के रूप में वे सक्रिय रहे। दुल्लभछड़ा क्षेत्र की जनता के प्रतिनिधि के रूप में गुवाहाटी के दिसपुर स्थित एसबीआई शाखा के अधिकारियों से मुलाकात की। और भौगोलिक दृष्टि से कुछ चाय बागान, गुवाहाटी-दुल्लभछड़ा रेलवे संपर्क सहित विभिन्न विभागों के कार्यालयों और जनसंख्या का उल्लेख दोबारा किया। शाखा के कर्मचारियों से बातचीत में पता चला कि लंबे समय से जनता की मांग पर दुल्लभछड़ा में एक शाखा स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। और स्थापना को लेकर वे आशावादी हैं।

## नहाते समय पैर फिसलने से कुएं में गिरकर कक्षा 6वीं के छात्र की हुई मौत, परिजनों ने नहीं कराया पोस्टमार्टम

**ललितपुर।** थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बस्तगुवाँ में कुएं पर नहाते समय एक छात्र की पानी में डूबने से मौत हो गई। परिजन उसके शव को निकाल कर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और घर लेकर चले गए। ग्राम बसतगुआँ निवासी 12 वर्षीय कक्षा 6 वीं का छात्र अभिषेक कुशवाहा पुत्र स्वर्गीय मनीष गुरुवार को दोपहर डेढ़ बजे के दरम्यान स्कूल से घर लौटा और कपड़े उतारकर घर से कुछ दूरी पर स्थित कुएं पर नहाने चला गया। इस दौरान उसके साथ उसका चचेरा भाई भी साथ मे था, जो कुएं के पास बैठ गया है। जब अभिषेक कुएं में किनारे बैठकर नहा रहा था , तभी अचानक वह कुएं में गिर गया और डूब गया। जब काफी देर तक बाहर नहीं निकला, तो छोटे भाई ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। पटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे पानी से बाहर निकालकर अस्पताल ले आए, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। जहाँ बेटे का शव देख मां बेहोश हो गई। इसके बाद मृतक के परिजन उसका शव लेकर बिना पोस्टमार्टम कराये अपने घर चले गए।

## कपिल शर्मा के कनाडा कैफे पर तीसरा हमला, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

**● कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने तीसरी बार हमला किया। गैंगस्टरों ने गोलीबारी की जिम्मेदारी लेते हुए बॉलीवुड में 'अवैध काम करने वालों', 'पैसे के लिए ठगने वालों' और 'धर्म के खिलाफ बोलने वालों' को सीधे धमकी दी है। यह हमला सरे में हुआ, जिसकी ऑनलाइन वीडियो भी सामने आई है। जुलाई से अब तक की यह तीसरी घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा के कनाडा के सरे स्थित रेस्टोरेंट, कप्स कैफ़े को गुरुवार को एक बार फिर गोलीबारी का निशाना बनाया गया। कैफ़े में गोलीबारी की यह तीसरी घटना है। गोलीबारी का एक वीडियो भी ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें देर रात रेस्टोरेंट पर गोलियां चलती दिखाई दे रही हैं। घटना के कुछ देर बाद ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बदमाशों ने गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ले ली। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू उर्फ नेपाली ने सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया।

उन्होंने लिखा, "वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फ़तेह। हम, गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू, आज सरे के कैप्स कैफ़े में हुई तीन राउंड गोलीबारी की ज़िम्मेदारी लेते हैं। हमारी जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जिन लोगों को हमसे दिक्कत है, वे दूर रहें। बॉलीवुड में गैरकानूनी काम करने वाले, दूसरों को पैसे के लिए ठगने वाले या धर्म के ख़िलाफ़ बोलने वाले लोग भी तैयार रहें - गोलियाँ कहीं से भी आ सकती हैं।"

जुलाई के बाद से यह तीसरी बार है जब कपिल शर्मा के रेस्टोरेंट को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई है। पहला हमला 10 जुलाई को हुआ था, जब कुछ कर्मचारी अभी भी रेस्टोरेंट के अंदर थे। दूसरा हमला 8 अगस्त को हुआ, जिसमें कम से कम 25 गोलियां चलाई गईं।

## बलिया महोत्सव की तैयारी को लेकर मंत्री ने की बैठक

**● दयाशंकर सिंह बोले- ददरी मेला बलिया की सांस्कृतिक पहचान है,लापरवाही न हो**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलिया** के ऐतिहासिक ददरी मेला और बलिया महोत्सव की तैयारियों को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मेले की रूपरेखा, कार्यक्रमों की योजना और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बलिया महोत्सव-ददरी मेला पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्तिक पूर्णिमा से पहले सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ददरी मेला बलिया की सांस्कृतिक पहचान है और इसकी भव्यता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को बलिया महोत्सव/ददरी मेला को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए अपने-अपने कार्य दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तिथियों का निर्धारण, विशेष दुकानों की नीलामी, भारतेंदु मंच को मीना बाजार की ओर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया, होल्डिंग्स व मुख्य द्वारों पर विज्ञापन के लिए नीलामी, इंड प्रोडक्ट्स के लिए लॉन्चिंग स्पेस का चिन्हांकन और नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता हेतु बीड अपलोड की कार्ययोजना पहले से तैयार करने के निर्देश दिए। परिवहन मंत्री ने कहा कि ददरी मेला बलिया की सांस्कृतिक धरोहर है और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास होना चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, सीडीओ ओजस्वी राज, नगर पालिका चेयरमैन संत कुमार गुप्ता, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, एडीएम अनिल कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

## आज खुलेगा नगर पालिका परिषद की किस्मत का पिटारा, आज अमरपुर मंडी में मतगणना होगी संपन्न

**मतगणना के दौरान होगी नए नगर पालिका अध्यक्षा की घोषणा**

**भारतीय जनता पार्टी इंडिया गठबंधन की तरफ से समाजवादी पार्टी के साथ दो निर्दलीय प्रत्याशी थे चुनावी मैदान में**

**ललितपुर।** आज अमरपुर गल्ला मंडी में नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी की किस्मत का फैसला होगा, जो मतदान के दौरान पेटियों में बंद हुआ था। आज अमरपुर गल्ला मंडी में मतगणना शुरू होगी और दोपहर तक नगर पालिका अध्यक्ष के घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है। बताते चलें कि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से सोनाली विवेक जैन के साथ इंडिया गठबंधन पार्टी की तरफ से सपा की नीलम आशीष चौबे के साथ दो महिला निर्दलीय प्रत्याशी में चुनावी मैदान में थी, जिनकी किस्मत 15 अक्टूबर को मतदान के दौरान मतपेटियों में बंद हो गई थी।

## बलिया में अजय राय बोले- क्रूर महात्मा गांधी का हत्यारा- गृहमंत्री को लिखा है लेटर- प्रतिबंधित कर दें, बाल स्वयंसेवकों का ही कर रहे यौन शोषण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलिया-** कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय गुरुवार को बलिया पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान अजय राय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), भाजपा और योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा- महात्मा गांधी से आरएसएस की तुलना मतकीजिए। आरएसएस हमेशा देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। यही संगठन था जिसने महात्मा गांधी की हत्या की और देश को बांटने का काम किया। ऐसे संगठन को तत्काल प्रतिबंधित कर देना चाहिए। मैंने इसके लिए कल ही गृह मंत्री को पत्र लिखा है। इस दौरान और महात्मा गांधी के शहर आगमन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया और उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया।

**अब 5 प्रमुख बयान पढ़िए...**

महात्मा गांधी के शहर आगमन के 100वें वर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए अजय राय। "आरएसएस ने मानसिक, शारीरिक और यौन शोषण किया" अजय राय ने कहा- आरएसएस के स्वयं सेवक खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं। ताजा उदाहरण देते हुए कहा, "केरल का आईटी प्रोफेसर आनंद सुसाइड कर गया। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि उसके साथ आरएसएस के नेता मानसिक, शारीरिक और यौन शोषण कर रहे थे। 26 साल का यह युवक अब नहीं रहा। ऐसे संगठन को तुरंत प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। यह देशविरोधी और समाजविरोधी संगठन है। ये अपने बाल स्वयंसेवकों तक को नहीं छोड़ते, उनके साथ भी शोषण करते हैं। मैंने कल ही गृह मंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि इस संगठन को प्रतिबंधित करते हुए कार्रवाई की जाए।

"मस्जिद तोड़ना केवल ध्यान भटकाने का प्रयास" अजय राय ने योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- मस्जिदें तोड़ने के पीछे सिर्फ योगी आदित्यनाथ की केवल एक ही मंशा है कि प्रदेश में हिंदू-मुस्लिम का माहौल कैसे बनाया जाए। चाहे संभल हो, बहराइच, बरेली, कुशीनगर या चित्रकूट। हर जगह मस्जिदों को टारगेट करके तोड़ रहे हैं।

कुशीनगर के हाटा में खुद की जमीन पर मस्जिद बनाई थी, फिर भी उसे बुलडोजर चलाकर तोड़ दिया। यह केवल महंगाई और भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने की कोशिश है। राज्य में जातिगत द्वेष फैलाना चाहते हैं।

महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करके दी श्रद्धांजलि।

महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करके दी श्रद्धांजलि।

आरएसएस के गुंडों पर कब करेंगे खट-खट राय ने कहा- योगी कहते हैं कि प्रदेश में अपराधी डरे हुए हैं। छेड़खानी करने वालों को यमराज मिलेंगे, पर आजमगढ़ में 7 साल के बच्चे को मारकर बोरे में भर दिया गया। हमारे हरिओम बाल्मिकी को पीट-पीटकर मार डाला गया। उसने हमारे राहुल गांधी का नाम लिया तो उसकी हत्या कर दी गई।

क्या यही है योगी राज की कानून व्यवस्था जो आरएसएस के लोग युवाओं का शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण कर रहे हैं, आखिर उनके साथ न्याय कब होगा? जनता जानना चाहती है कि योगी जी कब खट-खट करेंगे।"

कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रदेश का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रदेश का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

"यूपी में क्राइम चरम पर, योगी जी इस्तीफा दें" अजय राय ने कहा- यूपी में क्राइम चरम पर है। योगी जी कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल हैं। उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए और वापस मठ में चले जाना चाहिए। हम गांधी के अनुयायी, देश के खिलाफ बोलना भाजपाइयों का काम जब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष से पूछा गया कि राहुल गांधी विदेश में देश विरोधी बयान देते हैं, तो उन्होंने कहा- यह भाजपा का काम है, हमारा नहीं। हम महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन करते हैं। राहुल गांधी देश का नाम ऊंचा करते हैं। भाजपा तो राष्ट्रपिता तक का सम्मान नहीं करती।

## बलिया में दो बदमाशों का हाफ एनकाउंटर-हत्या और गैस सिलेंडर चोरी के मामलों में थे वांछित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बलिया** पुलिस ने अलग-अलग मुठभेड़ों में दो वांछित बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर अस्पताल भेजा गया। ये मुठभेड़ बैरिया और सिकंदरपुर थाना क्षेत्रों में हुई। पहली घटना बैरिया थाना क्षेत्र की है, जहां 16 अक्टूबर को चांददीयर जयप्रकाश नगर बंधा सड़क मार्ग पर रिसाल राय टोला के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह तेजी से भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाश ने खुद को घिरा देखकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में संदिग्ध के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल को तुरंत हिरासत में लेकर इलाज के लिए सीएचसी सोनबरसा भेजा गया, जहां से उसे जिला चिकित्सालय बलिया रेफर कर दिया गया। पूछताछ में बदमाश की पहचान धर्मेंद्र यादव पुत्र बालेश्वर यादव निवासी सोनबरसा, थाना बैरिया के रूप में हुई।

धर्मेंद्र यादव बैरिया थाने में 14 अक्टूबर 2025 को दर्ज हत्या के एक मामले (मु0अ0स0 382/2025) में वांछित अभियुक्त था। उसने बताया कि वह बिहार भागने की फिराक में था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक बाइक बरामद की। एएसपी दक्षिणी कृपाशंकर ने इस घटना की पुष्टि की। दूसरी मुठभेड़ सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुई। खरीद से नदी की तरफ जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया। बदमाश बिना रुके भागने की कोशिश में सड़क की बाई पटरी पर मोटरसाइकिल सहित फिसलकर गिर गया। खुद को घिरा देखकर उसने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पूछताछ में घायल बदमाश की पहचान शमीम कुरैशी उर्फ सोनू पुत्र सादिक कुरैशी निवासी ग्राम भरतपुर (हनुमानगंज), थाना सुखपुरा, जनपद बलिया के रूप में हुई। शमीम कुरैशी अपने साथियों के साथ मिलकर 22/23 अगस्त 2025 और 06/07 अक्टूबर 2025 की रात करमौता एचपी गैस एजेंसी से 24 गैस सिलेंडर चोरी करने के मामलों में शामिल था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस और एक बाइक बरामद की। एएसपी उत्तरी दिनेश शुक्ला ने इस मामले की जानकारी दी।

## रनगाँव सड़क हादसा..... ट्रैक्टर से कुचलकर घायल हुए दूसरे भाई की भी झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हुई मौत

**● बुधवार को ट्रैक्टर से कुचलना से एक भाई की घटना स्थल पर हुई थी मौत, दूसरा हुआ था घायल**

**दोनों सगे भाइयों की मौत से परिवार में मचा कोहराम तो गांव में माहौल हुआ गमगीन**

**सड़क हादसे के पहले विवाद में मृतकों की मां ने डाई पीकर आत्महत्या का किया था प्रयास**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सड़क पर पड़ा मृतक

साइकिल के साथ पड़ा घायल

**ललितपुर।** थाना मडावरा क्षेत्र के अंतर्गत रनगाँव रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में घायल हुए दूसरे भाई की मौत भी झांसी मेडिकल कॉलेज में हो गई। इसके बाद मृतक के परिजन उसे शव लेकर जिला मुख्यालय आए और शव का पोस्टमार्टम कराया। परिवार में एक साथ हुई दोनों भाइयों की मौत से कोई राम की स्थिति उत्पन्न हो गई, तो गांव में माहौल भी गमगीन हो गया। बताते चलें कि बुधवार को कस्बे के मोती महाराज के मंदिर मेला ग्राउंड से अपने घर लौट रहे दो सगे भाइयों को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने टक्कर मारकर रौंद दिया था। इस सड़क हादसे में छोटे भाई की मौत हो गई, तो बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हुआ। बताया गया है कि सड़क हादसे से पहले घरेलू पारिवारिक विवाद में मृतकों की मां ने भी जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को ग्राम रनगाँव निवासी 12 वर्षीय निकेश अपने 11 वर्षीय भाई अभिषेक पुत्रगण राजेश अहिरबार के साथ कस्बा मड़ावरा के मोती महाराज मन्दिर (मेला) ग्राउंड पर घूमने के लिए आया हुआ था। जब दोनों भाई यहां से साईकिल से अपने घर वापस जा रहे थे, तभी गाँव की सड़क पर सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने दोनों भाइयों को टक्कर मार कर रौंद दिया। इस सड़क हादसे में दोनों भाई लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हुए। आनन फानन में स्थानीय लोगों द्वारा दोनों भाइयों को गंभीर हालत में कस्बे के सीएचसी में भर्ती कराया गया, द्वजहां डाक्टरी परीक्षण के दौरान छोटे भाई को मृतक घोषित कर दिया, तो वहीं बड़े भाई को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था झांसी मेडिकल कॉलेज में रात भर उसका इलाज चलता रहा और गुरुवार की सुबह उसकी भी मौत हो गई जिसके बाद उसकी परिजन उसका शब्द लेकर जिला मुख्यालय आए और उसका पोस्टमार्टम करा कर उसका भी दाह संस्कार किया। परिवार में एक साथ हुई दो बच्चों की मौत से कोहराम की स्थिति उत्पन्न हो गई, तो वही गांव में भी माहौल गमगीन हो गया। बताया गया है कि इस सड़क हादसे से पहले परिवार में हुए विवाद के बाद मृतकों की मां भानकुआँर ने भी अपने घर में जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। जिसे गंभीर हालत में सीएससी में भर्ती कराया गया था, जहां उसका उपचार किया गया और अभय खतरे के बाहर बताई गई है। यह भी जानकारी मिली है कि मृतकों की पिता की मौत बीमारी के चलते करीब 3 वर्ष पूर्ण हो गई थी और उनकी मां ही उनका पालन पोषण कर रही थी। जानकारी मिली है कि दोनों भाई अपने परिवार में एकलौती पुत्र थे और अब उनकी दो बहने हैं, जिनकी राखी अब अपने भाइयों के लिए तरस रही है।

## बजाज पावर प्लांट के डंपर की टक्कर से देर रात बिरधा में करीब चार विद्युत

**● पोल टूटे, हाई टेंशन लाइन टूट कर ग्रामीणों के घर पर गिरी चिंगारी निकलने**

**से मची अफरा तफरी, रात भर करीब दो दर्जन परिवार अंधेरे में रहे**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मौक़े पर खड़ा डंफर

**ललितपुर।** समाजवादी पार्टी शासनकाल में बार क्षेत्र के ग्राम बुरागाँव चिकलोआ में संचालित किया गया बजाज पावर प्लांट जनपद वासियों के लिए मुसीबत का सबब बनता जा रहा है. कई बार इस पावर प्लांट की वजह से कई बड़े हाथ से हो चुके हैं, लेकिन जिला स्तरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि ने अपने मुंह पर चुप्पी साथ रखी है जिससे लगातार दुर्घटनाएं हो रही है और अब तक कई लोगों की जान भी जा चुकी है। इतना ही नहीं पावर प्लांट से निकलने वाली राख से जनपद वासी काफी परेशान है। हाल ही में इसी बजाज पावर प्लांट की राख़ के डंपर की टक्कर से कस्बा विरधा के एक इलाके में लगे हुए हाई टेंशन विद्युत लाइन के चारकोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिस इलाके में अंधकार पसरा हुआ है।

गनी मत यह रही की हाई टेंशन विद्युत लाइन से निकली चिंगारी किसी के घर पर नहीं गिरी नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना पर पुलिस और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच पड़ताल जारी है। जनपद के थाना बार क्षेत्र में संचालित बजाज पावर प्लांट से निकलने वाली राख़ (फ़लाई एस) को नियम बिरुद्ध इधर-उधर डिस्पोज करने का काम करने बाले मौत बनकर दौड़ रहे डंफरों से आज भी बड़ी दुर्घटनाओं को अंजाम देने का काम बदस्तूर जारी है।

बताया गया है कि बुधवार की देर रात्रि प्लांट का डंपर ज़ब सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा इलाके में देखने के लिए जा रहा था, तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित डंफर हाई टेंशन विद्युत पोल से जा टकराया, जिस कारण इलाके के करीब चार विद्युत पोल टूट गए। इस दौरान खंभे पर बंधी हुआ हाई टेंशन विद्युत लाइन में चिंगारी निकली, जिससे करीब एक दर्जन ग्रामीण सहम गए और दौड़कर अपने घरों से बाहर आ गए, क्योंकि चिंगारी उनके घरों पर गिरी। गनीमत यह रही की कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, यदि किसी घर में आग लग जाती, तो हो सकता कई लोगों की जान भी चली जाती।

घटना की सूचना जैसे ही बिरधा चौकी इंचार्ज को मिली वैसे ही वह मौके पर पहुंचे पर तत्काल विद्युत विभाग को सूचित किया। तार टूटने से इलाके की विद्युत आपूर्ति भी ध्वस्त हुई। घटना की सूचना पर पुलिस और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हुई क्षतिपूर्ति का आकलन करने का काम जारी था। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में विद्युत विभाग द्वारा पुलिस को कोई शिकायती पत्र नहीं दिया गया था, जिस कारण प्लांट के डंपर पर कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। हालांकि इस घटना ने एक बार फिर बजाज पावर प्लांट की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाया है।

## आगामी 12 नवंबर को आयोजित होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह महोत्सव

**ललितपुर।** समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले जरूरतमंद, निराश्रित निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्या विधवा परित्यक्ता तलाकशुदा महिलाओं के सामूहिक विवाह हेतु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत होने वाली शादियों की तिथि तय कर दी गयी है। जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन दिनांक 12 नवंबर 2025 को होना प्रस्तावित है। पंजीयन के समय वधु व वर की फोटो, आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, वधु की बैंक पासबुक की छायाप्रति संलग्न करना होगी। योजना का लाभ उसी वधु को दिया जाएगा जो ललितपुर की निवासी है, लेकिन वर किसी भी राज्य या जिले का हो सकता है।इस बार योजना के तहत हर जोड़े पर 1 लाख रूपये खर्च किए जाएंगे, जिसमें 60 हजार रुपये वधू के बैंक खाते में भेजे जाएंगे, जबकि बाकी राशि उपहार, आयोजन आदि पर खर्च की जाएगी। उक्त क्रम में जिलाधिकारी अमदीप डुली के आदेशानुसार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि वह अपने अपने क्षेत्र में उक्त तिथि का प्रचार-प्रसार करके अधिक से अधिक जोड़ो का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।